

# प्रिलिम्स रिफ्रेशर प्रोग्राम 2020 : टेस्ट 8

- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में भारत के व्यापारिक माल का निर्यात वर्ष 1991 के बाद लगातार बढ़ रहा है।
  - 2. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में भारत का व्यापारिक निर्यात वैश्विक औसत के लगभग समान रहा है।

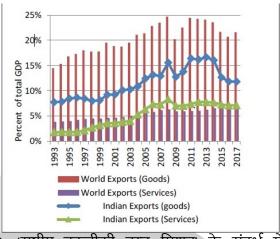
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न ही 1 और न ही 2

उत्तर: (d) व्याख्या:

- वैश्विक व्यापारिक (माल) निर्यातों में भारत की हिस्सेदारी 13.2% प्रति वर्ष की दर से बढ़ी है और यह वर्ष 1991 में 0.6% से बढ़कर 2018 में 1.7% हो गई है।
- हालाँकि सकल घरेलू उत्पाद के % के रूप में भारत का व्यापारिक निर्यात वैश्विक औसत की तुलना में लगातार बढ़ नहीं रहा है, बल्कि कुछ वर्षों से गिरावट की प्रवृत्ति दर्शा रहा है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- सकल घरेलू उत्पाद के % के रूप में भारत के लिये व्यापारिक निर्यात वैश्विक औसत की तुलना में एक महत्त्वपूर्ण अंतर से निरंतर नीचे रहा है। अतः कथन 2 सही नहीं है।

चित्र: भारत बनाम विश्व, सकल घरेलू उत्पाद में निर्यातों की हिस्सेदारी



- 'राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - मिशन का उद्देश्य भारत को तकनीकी वस्त्र के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी देश के रूप में स्थापित करना है।
  - यह कृषि, बागवानी और जलीय कृषि क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

- केंद्रीय बजट 2020-2021 में राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (National Technical Textiles Mission) का प्रस्ताव किया गया है जिसे 1480 करोड़ रुपए के अनुमानित परिव्यय से चार वर्ष की अवधि (2020-21 से 2023-24) में कार्यान्वित किया जाएगा। मिशन का उद्देश्य भारत को तकनीकी वस्त्र के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी देश के रूप में स्थापित करना है। अतः कथन 1 सही है।
- तकनीकी वस्त्र ऐसी सामग्री और उत्पाद हैं जिन्हें मुख्य रूप से उनकी सौंदर्यपरक विशेषताओं के बजाय उनके तकनीकी गुणों



- एवं कार्यात्मक आवश्यकताओं के लिये विनिर्मित किया जाता है।
- तकनीकी वस्त्रों के उपयोग के दायरे में कृषि-वस्त्र, चिकित्सा वस्त्र, भू-वस्त्र, सुरक्षा-वस्त्र, औद्योगिक-वस्त्र, खेल-वस्त्र और कई अन्य उपयोग जैसे अनुप्रयोगों की एक विस्तृत शृंखला शामिल है।
  - तकनीकी वस्तों के उपयोग से कृषि, बागवानी और जलीय कृषि क्षेत्रों की उत्पादकता में वृद्धि, सैन्य, अर्द्ध-सैन्य, पुलिस एवं सुरक्षा बलों हेतु बेहतर सुरक्षा सुविधाएँ, राजमार्गीं, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के लिये अधिक प्रबल व सशक्त परिवहन अवसंरचना और आम लोगों के लिये स्वच्छता व स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार जैसे कई लाभ प्राप्त होंगे। अतः कथन 2 सही है।
- केंद्र और राज्य सरकारों के सामाजिक सेवा व्यय के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - वर्ष 2019-20 में सामाजिक सेवाओं पर व्यय कुल बजटीय व्यय के एक-चौथाई से अधिक है।
  - 2. शिक्षा को सभी सामाजिक सेवाओं में सर्वाधिक आवंटन प्राप्त होता है।

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c) व्याख्या:

> केंद्र और राज्यों द्वारा सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात के रूप में सामाजिक सेवाओं (शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य) पर होने वाले व्यय में वर्ष 2014-15 से वर्ष 2019-20 (बजट प्राक्कलन) की अविध के दौरान 1.5% की वृद्धि हुई और यह 6.2% से बढ़कर 7.7% हो गया।

- कुल बजटीय व्यय में से सामाजिक सेवाओं पर हुए व्यय का हिस्सा 2014-15 में 23.4% से बढ़कर 2019-20 में 26% हो गया। अतः कथन 1 सही है।
- इस अवधि के दौरान सभी सामाजिक क्षेत्रों के व्यय में वृद्धि देखी गई। शिक्षा के लिये यह व्यय वर्ष 2014-15 में 2.8% से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 3.1% और स्वास्थ्य के लिये 1.2% से बढ़कर 1.6% हो गया।
  - प्रस्तुत तालिका के अनुसार शिक्षा को कुल सामाजिक व्यय का 40.7% आवंटन प्राप्त हुआ जो अन्य सेवाओं से अधिक है। अतः कथन 2 सही है।

सरकार ( संयक्त केंद्र और राज्यों ) द्वारा सामाजिक सेवा क्षेत्र के खर्च में रुझान

| मद                        | 2014-15            | 2015-16       | 2016-17        | 2017-18 | 2018-19 RE | 2019-20 Bl |
|---------------------------|--------------------|---------------|----------------|---------|------------|------------|
|                           |                    | (रुपए में     | लाख करोड़)     |         |            |            |
| कुल बजटीय व्यय            | 32.85              | 37.61         | 42.66          | 45.16   | 55.17      | 60.72      |
| सामाजिक सेवाओं पर<br>व्यय | 7.68               | 9.16          | 10.41          | 11.40   | 14.47      | 15.79      |
| जिसमें से                 |                    |               |                |         |            |            |
| i) शिक्षा                 | 3.54               | 3.92          | 4.35           | 4.83    | 5.81       | 6.43       |
| ii) स्वास्थ्य             | 1.49               | 1.75          | 2.13           | 2.43    | 2.92       | 3.24       |
| iii) अन्य                 | 2.65               | 3.48          | 3.93           | 4.13    | 5.74       | 6.12       |
|                           |                    | जीडीपी के प्र | तिशत के रूप    | में     |            |            |
| सामाजिक सेवाओं पर<br>व्यय | 6.2                | 6.6           | 6.8            | 6.7     | 7.6        | 7.7        |
| जिसमें से                 |                    |               |                |         |            |            |
| i) शिक्षा                 | 2.8                | 2.8           | 2.8            | 2.8     | 3.1        | 3.1        |
| ii) स्वास्थ्य             | 1.2                | 1.3           | 1.4            | 1.4     | 1.5        | 1.6        |
| iii) अन्य                 | 2.1                | 2.5           | 2.6            | 2.4     | 3.0        | 3.0        |
|                           |                    | कुल व्यय के ! | प्रतिशत के रूप | में     |            |            |
| सामाजिक सेवाओं पर<br>व्यय | 23.4               | 24.3          | 24.4           | 25.2    | 26.2       | 26.0       |
| जिसमें से                 |                    |               |                |         |            |            |
| i) शिक्षा                 | 10.8               | 10.4          | 10.2           | 10.7    | 10.5       | 10.6       |
| ii) स्वास्थ्य             | 4.5                | 4.7           | 5.0            | 5.4     | 5.3        | 5.3        |
| iii) अन्य                 | 8.1                | 9.3           | 9.2            | 9.1     | 10.4       | 10.1       |
| सामाजिक सेवाओं के !       | प्रतिशत के रूप में |               |                |         |            |            |
| i) शिक्षा                 | 46.1               | 42.8          | 41.8           | 42.4    | 40.1       | 40.7       |
| ii) स्वास्थ्य             | 19.4               | 19.1          | 20.5           | 21.4    | 20.2       | 20.5       |
| iii) अन्य                 | 34.6               | 38.0          | 37.7           | 36.2    | 39.7       | 38.8       |

स्रोत: संघ और राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज, भारतीय रिज़र्व वैंक

- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - सकल मूल्य संवर्द्धन में सेवा क्षेत्र का योगदान 50% से भी कम है।
  - सेवा क्षेत्र को कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) अंतर्वाह का 50% से अधिक भाग प्राप्त होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1



- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

#### उत्तर: (b) व्याख्या:

- भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का महत्त्व लगातार बढ़ रहा है और सकल संवर्द्धन मूल्य एवं सकल संवर्द्धन मूल्य वृद्धि में इसका हिस्सा 55% है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- सेवा क्षेत्र भारत में कुल FDI अंतर्वाह के दो-तिहाई को आकर्षित करता है और कुल निर्यात में इसकी हिस्सेदारी लगभग 38% है। अतः कथन 2 सही है।
- वर्तमान में 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 15 राज्यों में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी सकल संवर्द्धन मूल्य के 50% से अधिक है और दिल्ली एवं चंडीगढ़ में यह 80% से भी अधिक है।
- आधिकारिक सांख्यिकी पर नई राष्ट्रीय नीति के संबंध में निमृलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - यह आँकड़ों के संकलन, एकीकृत सूचना पोर्टल और समयबद्ध तरीके से सूचनाओं के प्रसार के लिये एक रोड-मैप प्रस्तुत करती है।
  - 2. यह राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग की सिफारिशों और आधिकारिक सांख्यिकी पर संयुक्त राष्ट्र के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

# उत्तर: (c) व्याख्या:

- केंद्रीय बजट 2020-21 में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि आधिकारिक सांख्यिकी पर प्रस्तावित नई राष्ट्रीय नीति कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) सहित नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करेगी।
  - आधिकारिक सांख्यिकी पर नई राष्ट्रीय नीति तेज़ी से जटिल होती

अर्थव्यवस्था की समयबद्ध निगरानी के लिये नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करेगी।

- यह ऑकड़ों के संकलन, एकीकृत सूचना पोर्टल और समयबद्ध तरीके से सूचनाओं के प्रसार के लिये एक रोड-मैप भी प्रस्तुत करती है। अतः कथन 1 सही है।
- यह राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग (National Statistical Commission) की सिफारिशों और आधिकारिक सांख्यिकी पर संयुक्त राष्ट्र के मूलभूत सिद्धांतों (United Nations Fundamental Principles of Official Statistics) पर आधारित है। अतः कथन 2 सही है।
- निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - 1. पर्यटन क्षेत्र से विदेशी मुद्रा अर्जन में वर्ष 2018-19 में कमी आई है।
- अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन के संदर्भ में भारत विश्व के शीर्ष दस देशों में शामिल है। उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1और न ही 2

- पर्यटन क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद, विदेशी मुद्रा अर्जन और रोज़गार सृजन और आर्थिक संवृद्धि का प्रमुख विकास इंजन है। भारत में वर्ष 2015 से 2017 तक विदेशी पर्यटक आगमन में उच्च वृद्धि के कारण पर्यटन क्षेत्र का प्रदर्शन मज़बूत रहा। लेकिन इसके बाद की अविध में विदेशी पर्यटक आगमन दर में कमी आई है और यह वर्ष 2018 में 5.2% से घटकर जनवरी-अक्तूबर 2019 में 2.7% तक रह गई।
  - तदनुरूप, पर्यटन क्षेत्र से अर्जित विदेशी मुद्रा आय में वर्ष 2017 तक वृद्धि होने के बाद यह वर्ष 2018 और 2019 में कमज़ोर पड गई।
  - जनवरी-अक्तूबर 2019 में 2% की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) के साथ कुल



- \$24 बिलियन विदेशी मुद्रा प्राप्त हुई।
- हालाँकि यह प्रवृत्ति केवल भारत में ही नज़र नहीं आई है बल्कि पूरे विश्व में भी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन की वृद्धि दर वर्ष 2017 में 7.1% से घटकर वर्ष 2018 में 5.4% रह गई। अतः कथन 1 सही है।
- अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन के संदर्भ में भारत वर्ष 2017 में 26वें स्थान से बढ़कर वर्ष 2018 में 22वें स्थान पर आ गया। वैश्विक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन में भारत की हिस्सेदारी 1.24% और एशिया एवं प्रशांत के अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन में 5% है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
  - पर्यटन से प्राप्त विदेशी मुद्रा आय के संदर्भ में विश्व में भारत का स्थान 13वाँ और एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र में 7वाँ है। पर्यटन से विदेशी मुद्रा अर्जन में विश्व में भारत की हिस्सेदारी 2% है।
- 7. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - अंतिरक्ष क्षेत्र में व्यय करने के मामले में भारत विश्व में दूसरे स्थान पर है।
  - 2. ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) के उत्पादन के लिये इसरो निजी क्षेत्र को शामिल कर रहा है।

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

# उत्तर: (b) व्याख्या:

 वर्ष 2018 में भारत ने अंतरिक्ष कार्यक्रमों पर लगभग \$1.5 बिलियन खर्च किये। यद्यपि भारत का सरकारी अंतरिक्ष व्यय अभी भी अंतरिक्ष क्षेत्र में अग्रणी संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों की तुलना में अत्यंत कम है। USA ने वर्ष 2018 में अंतरिक्ष क्षेत्र

- में भारत से लगभग 13 गुना अधिक खर्च किया।
- हाल के वर्षों में अंतिरक्ष क्षेत्र के एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे चीन ने भी वर्ष 2018 में भारत की तुलना में लगभग सात गुना अधिक खर्च किया। अतः कथन 1 सही नहीं है।

#### Government Budget for Space Sector in 2018

| Country            | Expenditure (US\$ billion) |  |  |
|--------------------|----------------------------|--|--|
| USA (NASA)         | 19.5                       |  |  |
| China (CNSA)       | 11.0                       |  |  |
| Russia (Roskosmos) | 3.3                        |  |  |
| India (ISRO)       | 1.5                        |  |  |

Source: ISRO (which sourced from statista).

- इसरो (ISRO) अंतिरक्ष संबंधी वस्तुओं और सेवाओं की प्रदायगी में भारतीय उद्योगों को संलग्न करने की नीति का अनुसरण कर रहा है। विशेष रूप से उपग्रहों व प्रक्षेपण यान अभियानों तथा अनुप्रयोग कार्यक्रमों की बढ़ती संख्या के मद्देनज़र यह नीति अपनाई जा रही है। इसी क्रम में अंतिरक्ष क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करने के लिये निम्नलिखित क्षेत्रों की पहचान की गई है:
  - ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) का उत्पादन, अतः कथन
     2 सही है।
  - सैटेलाइट इंटीग्रेशन एंड एसेंबलीसंमिश्रित पदार्थों का उत्पादन
  - ठोस, तरल, क्रायोजेनिक और सेमी-क्रायोजेनिक प्रणोदक का उत्पादन;
  - वैमानिकी और सैटेलाइट उप-प्रणालियों के लिये इलेक्ट्रॉनिक पैकेज का उत्पादन, परीक्षण और मुल्यांकन।
- 8. निम्नलिखित विकल्पों में से कौन-सा 'मकड़ जाल (कॉबवेब) परिघटना' का वर्णन करता है?



- मूल्यों में उतार-चढ़ाव से आपूर्ति में उतार-चढ़ाव होता है जिससे मूल्यों में बढ़ोतरी और गिरावट का एक क्रम बनता है।
- b. एक ऐसी स्थिति जहाँ गरीब किसान साहूकारों के ऋण चंगुल में फँसे होते हैं।
- c. नकदी संकट के समय उत्पादन में कमी से संबंधित परिघटना।
- d. यह अर्थव्यवस्था में चक्रीय मंदी और तेज़ी के लिये प्रयोग किया जाने वाला एक पद है।

# उत्तर: (a) व्याख्या:

- 'मकड़ जाल परिघटना' (Cobweb Phenomenon) दर्शाती है कि मूल्यों में उतार-चढ़ाव से आपूर्ति में उतार-चढ़ाव होता है जिससे मूल्यों की बढ़ोतरी और गिरावट का एक क्रम निर्मित होता है। अतः विकल्प (a) सही है।
- आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय किसान इस परिघटना का शिकार होते हैं जब वे फसल की बुवाई का निर्णय गत वर्ष की बाज़ार स्थितियों के बाज़ार मूल्यों के आधार पर लेते हैं।
- उदाहरण के लिये यदि कोई किसान किसी फसल विशेष के लिये गतवर्ष में अधिक मूल्य देखता है तो वह वर्तमान वर्ष में उस फसल के अधिक उत्पादन के लिये प्रेरित होता है। लेकिन यदि फसल का उत्पादन बाज़ार की माँग से अधिक हो जाता है तो वर्तमान वर्ष में कीमतें गिर जाती है। इससे किसान को संकेत मिलता है कि अगले वर्ष में उक्त फसल का कम उत्पादन किया जाए।
- इससे किसान के लिये अधिक उत्पादन व नतीजतन मूल्यों की गिरावट और घाटे की समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- 9. 'राष्ट्रीय समय सारणी अध्ययन' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - इसका उद्देश्य माल का तीव्र सीमापारीय संचालन सुनिश्चित कर व्यापारियों को लाभान्वित करना है।
  - इसका कार्यान्वयन वैश्विक व्यापार में सुधार की अपनी रणनीतिक प्रतिबद्धता के तहत

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

- भारत का प्रथम राष्ट्रीय 'टाइम रिलीज़ स्टडी' (TRS) अथवा 'समय सारणी अध्ययन' वित्त मंत्रालय द्वारा वैश्विक व्यापार में सुधार की अपनी रणनीतिक प्रतिबद्धता के तहत आयोजित किया जा रहा है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- यह अध्ययन एक साथ कई स्थानों जैसे-बंदरगाह, अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (ICDs), एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स और एकीकृत चेक पोस्ट पर कराया जा रहा हैं।
- इसका मुख्य उद्देश्य व्यापार प्रवाह के मार्ग में मौजूद बाधाओं की पहचान करना एवं उन्हें दूर करना है। इसके साथ ही प्रभावशाली व्यापार नियंत्रण से कोई भी समझौता किये बिना सीमा संबंधी प्रक्रियाओं की प्रभावकारिता एवं दक्षता बढ़ाने के लिये आवश्यक संबंधित नीतिगत एवं क्रियाशील उपाय सुनिश्चित करना है। यह व्यापारियों को लाभ पहुँचाने के लिये सीमाओं के पार कार्गी के तीव्र आवागमन को सक्षम करेगा। अतः कथन 1 सही है।
- TRS अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवाह की दक्षता एवं प्रभावकारिता मापने के लिये अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त एक साधन (टूल) है जिसका विश्व सीमा शुल्क संगठन द्वारा भी समर्थन किया जाता है।
- इस पहल से भारत को 'कारोबार में सुगमता', विशेषकर सीमा पार व्यापार संकेतक के मामले में अपनी बढ़त को बरकरार रखने में मदद मिलेगी जो सीमा-पार व्यापार की व्यवस्था की दक्षता को मापता है।



- 10. 'राष्ट्रीय अवसंरचना रूपरेखा (NIP)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - इसका उद्देश्य भारत के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिये अवसंरचना विकास में आपूर्ति पक्ष संबंधी हस्तक्षेप को सुविधाजनक बनाना है।
  - परियोजनाओं को पूरी तरह से केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा।

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a) व्याख्या:

राष्ट्रीय अवसंरचना रूपरेखा (National Infrastructure Pipeline- NIP)

- NIP देश के अवसंरचनात्मक दृष्टिकोण को प्रकट करती है और यह देश में इस प्रकार की पहली सार्वजनिक-निजी क्षेत्र की संयुक्त पहल है।
- वित्त वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक के प्रत्येक वर्ष के लिये NIP की रूपरेखा प्रस्तुत करने के लिये वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आर्थिक मामलों के विभाग (DEA) के सचिव की अध्यक्षता में सितंबर 2019 में एक अंतर-मंत्रालयी कार्यबल का गठन किया गया था।
- इसका उद्देश्य सकल घरेलू उत्पाद में अल्पकालिक तथा संभाव्य संवृद्धि को साकार करने हेतु अवसंरचनागत विकास में आपूर्ति पक्ष संबंधी हस्तक्षेप करना है। बेहतर अवसंरचना क्षमता भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्द्धात्मकता में वृद्धि करेगी। अतः कथन 1 सही है।
- NIP के अनुसार, परियोजनाओं का वित्तपोषण केंद्र सरकार (39%) और राज्य सरकार (39%) के साथ निजी क्षेत्र (22%) द्वारा भी किया जाएगा और निजी क्षेत्र की साझेदारी वर्ष 2025 तक 30% तक बढ़ाई जा सकती है।

- 102 लाख करोड़ रुपए के कुल प्रत्याशित पूँजीगत व्यय में से 42.7 लाख करोड़ रुपए के मूल्य (42%) की परियोजनाएँ कार्यान्वयन के अधीन हैं, 32.7 लाख करोड़ रुपए मूल्य (32%) की परियोजनाएँ विचाराधीन अवस्था में हैं और शेष विकासाधीन हैं। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- 11. निम्नलिखित में से कौन-से तालवाद्य यंत्र के उदाहरण हैं?
  - 1. मृदंगम
  - 2. झांझ
  - 3. रावण हत्था
  - 4. खड़ताल

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- a. केवल 1, 2 और 4
- b. केवल 1 और 2
- c. केवल 3 और 4
- d. 1, 2, 3 और 4

- संगीत वाद्ययंत्रों का वर्गीकरण उनके द्वारा उत्पन्न होने वाली ध्विन उत्पन्न करने के वैज्ञानिक सिद्धांत के आधार पर किया जाता है। इसके उदाहरण हैं- ताल वाद्ययंत्र (आघात वाद्ययंत्र), सुषिर या पवन वाद्ययंत्र, तत या तार वाद्ययंत्र और इम।
- तालवाद्य, वे वाद्ययंत्र हैं जिनमें ध्विन उत्पन्न करने के लिये ताल या थाप दी जाती है। सामान्यत: ताल या विस्पंदन (Beat) उत्पन्न करने के लिये इनका उपयोग किया जाता है और ये संपूर्ण संगीत के स्वर उत्पन्न नहीं करते हैं।
- झांझ में एक वृत्ताकार समतल या अवतल धातु की प्लेट होती है। इस पर एक डंडी या इसके युग्मों की सहायता से ध्विन उत्पन्न की जाती है। यह एक तालवाद्य है।
- खड़ताल भी एक तालवाद्य है। इस वाद्य को मीराबाई और मध्यकाल के अन्य भिक्तकालीन किवयों के हाथों में दर्शाया गया है।



- मृदंगम भारत का एक प्राचीन वाद्ययंत्र है जिसका उपयोग मुख्यत: कर्नाटक संगीत शैली में किया जाता है।
- रावणहत्था एक प्राचीन तत वाद्ययंत्र होता है, न कि ताल वाद्य। अत: विकल्प (a) सही है।
- 12. भारतीय लोक संगीत और राज्यों, जहाँ वे प्रचलित हैं, के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

#### लोक संगीत राज्य

- 1. भटियाली बिहार
- 2. बाउल नगालैंड
- 3. मांड महाराष्ट्र

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सां/से सही सुमेलित है/हैं?

- a. 1, 2 और 3
- b. केवल 1 और 3
- c. केवल 3
- d. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (d) व्याख्या:

- मांड राजस्थान की लोक संगीत शैली है।
  सामान्यत: यह खानाबदोश गायकों या
  राजदरबारी गायकों द्वारा गाया जाता था।
  मांड को न तो पूर्ण रूप से राग के रूप में
  स्वीकार किया जाता है और न ही इसे स्वतंत्र
  रूप से गाए जाने वाले लोक गीतों के रूप में
  पहचान दी जाती है। वस्तुत: यह ठुमरी या
  गज़ल के समान है। अत: युग्म 3 सही
  सुमेलित नहीं है।
  - पश्चिम बंगाल का बाउल संगीत एक विशेष प्रकार का लोक गीत है। बाउल, बंगाल के संगीतकार और कथावाचक होते हैं। अत: युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।
- भटियाली शब्द का प्रयोग बंगाल के नाविकों के लिये किया जाता है। भटियाली बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में गाया जाने वाला लोक संगीत का एक रूप भी है। अत: युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।
- बोर्डो समझौते के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- 1. यह भारत सरकार, असम सरकार और बोडो समूहों के बीच संपन्न हुआ था।
- इसने बोडोलैंड टेरिटोरियल एरिया डिस्ट्रिक्ट को संविधान की छठी अनुसूची से हटा दिया है।
- 3. मिरी के बाद बोडो असम की दूसरी सबसे बडी जनजाति है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

- a. केवल 1 और 2
- b. केवल 1 और 3
- c. केवल 2 और 3
- d. 1, 2 और 3

- 27 जनवरी, 2020 को नई दिल्ली में दशकों पुरानी बोडो समस्या के समाधान के लिये एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये गए।
  - इस समझौते में भारत सरकार, असम राज्य सरकार और बोडोलैंड आंदोलन से जुड़े उग्रवादी समूहों के प्रतिनिधि शामिल हुए। अतः कथन 1 सही है।
  - इस समझौते में असम के प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन 'नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड' (National Democratic Front of Boroland- NDFB) के साथ बोडोलैंड आंदोलन से जुड़े अन्य संगठनों के सदस्य भी शामिल थे।
    - समझौते के अनुसार, बोडोलैंड टेरिटोरियल एरिया डिस्ट्रिक्ट (Bodoland Territorial Area Districts- BTAD) का नाम बदलकर बोडोलैंड टेरिटोरियल रीज़न (Bodoland Territorial Region-BTR) कर दिया जाएगा।
- इस समझौते द्वारा कोई संवैधानिक परिवर्तन नहीं हुआ है बल्कि बोडोलैंड टेरिटोरियल एरिया डिस्ट्रिक्ट (BTAD) और संविधान की छठी अनुसूची के तहत उल्लिखित अन्य क्षेत्रों को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम



(CAA), 2019 से छूट दी गई है। अतः कथन 2 सही नहीं है।

- असम में अधिसूचित अनुसूचित जनजातियों में बोडो सबसे बड़ा समुदाय है। अतः कथन 3 सही नहीं है।
- 14. कोरोनावायरस के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - यह एक RNA वायरस है जो मेजबान के DNA के साथ मिश्रित होकर तेज़ी से उत्परिवर्तित होता है।
  - 2. गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम (SARS) और मध्य पूर्व श्वसन सिंड्रोम (MERS) कोरोनावायरस के दो रूप हैं।
  - यह मानवों के साथ-साथ जानवरों को भी प्रभावित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. केवल 2 और 3
- d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d) व्याख्या:

- कोरोनावायरस का आनुवंशिक पदार्थ डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक अम्ल (DNA) होने की बजाय राइबोन्यूक्लिक अम्ल (Ribonucleic Acid-RNA) है। इसलिये यह एक RNA वायरस है। यह वायरस अपने मेजबान के DNA के साथ जुड़कर तेज़ी से उत्परिवर्तित हो सकता है। अतः कथन 1 सही है।
- अभी तक ज्ञात चार सामान्य कोरोनावायरस में से दो विशिष्ट और ज्ञात कोरोनावायरस MERS और SARS हैं। अत: कथन 2 सही है।
- ये वायरस मनुष्यों के साथ-साथ स्तनधारियों जैसे- सूअर, मवेशी, बिल्ली, कुत्ते, ऊंट, हाथी और कुछ पिक्षयों को प्रभावित कर सकते हैं। अतः कथन 3 सही है।
- 15. आय कर अपीलीय न्यायाधिकरण (ITAT) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - 1. यह एक अर्द्ध-न्यायिक निकाय है।

2. ITAT द्वारा पारित आदेश अंतिम होता है, किंतु विधि से संबंधित किसी महत्त्वपूर्ण प्रश्न के निर्धारण के लिये उच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c) व्याख्या:

- आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण एक अर्द्ध-न्यायिक (Quasi-Judicial) संस्था है जिसे वर्ष 1941 में आयकर अधिनियम, 1922 की धारा 5A के तहत स्थापित किया गया था।
   अतः कथन 1 सही है।
- इसको 'मदर ट्रिब्यूनल' भी कहा जाता है जो देश का सबसे पुराना अधिकरण है। यह प्रत्यक्ष कर अधिनियम जैसे- आयकर अधिनियम, 1961 के तहत की गई अपील से संबंधित मामलों की सुनवाई करता है।
- इसके द्वारा दिया गया निर्णय अंतिम माना जाता है। किंतु यदि दिये गए निर्णय को लेकर कोई महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठता है तो उच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है। अतः कथन 2 सही है।
- हाल ही में आयंकर अपीलीय न्यायाधिकरण (ITAT) ने अपना 79वाँ स्थापना दिवस मनाया।
- 16. भ्रष्टाचार बोध सूचकांक निम्नलिखित में से किस संस्थान द्वारा जारी किया जाता है?
- a. विश्व आर्थिक मंच
- b. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
- c. ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल
- d. स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भ्रष्टाचार बोध सूचकांक ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी किया जाता है।
- जनवरी 2020 में जारी इस सूचकांक के नवीनतम संस्करण के अनुसार, भारत भ्रष्टाचार के मामले में 180 देशों की सूची में



80वें स्थान पर है, जबिक वर्ष 2018 में भारत इस सूचकांक में 78वें स्थान पर था। अतः विकल्प (c) सही है।

- 17. उच्च बचत वाली अर्थव्यवस्था होने के बावजूद, पूंजी निर्माण के परिणामस्वरूप उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि किसके कारण नहीं हो पाती है?
- a. कमज़ोर प्रशासनिक मशीनरी
- b. निरक्षरता
- c. उच्च जनसंख्या घनत्व
- d. उच्च पूंजी-उत्पादन अनुपात

उत्तर: (d) व्याख्या:

- पूंजी उत्पाद अनुपात (Capital Output Ratio-COR) किसी अर्थव्यवस्था में किये गए निवेश के स्तर और सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के बीच संबंध को स्पष्ट करने के लिये प्रयुक्त किये जाने वाले उपकरणों में से एक है। COR उत्पादन की एक अतिरिक्त इकाई के उत्पादन के लिये आवश्यक पूंजी की माप है। उच्च COR का मतलब निम्न उत्पादन के लिये उच्च पूंजी की आवश्यकता है।
- इस प्रकार, पूंजी उत्पाद अनुपात की कार्यशील परिभाषा से, यह कहा जा सकता है कि उच्च बचत वाली अर्थव्यवस्था होने के बावजूद, यदि पूंजी-उत्पादन अनुपात अधिक है तो पूंजी निर्माण से आउटपुट में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हो सकती। अतः विकल्प (d) सही है।
- 18. निरपेक्ष तथा प्रति व्यक्ति वास्तविक GNP की वृद्धि आर्थिक विकास की ऊँची दर की संकेतक नहीं होती है, यदि:
- औद्योगिक उत्पादन कृषि उत्पादन के साथ-साथ बढने में विफल रह जाता है।
- कृषि उत्पादन औद्योगिक उत्पादन के साथ-साथ बढ़ने में विफल रह जाता है।
- तर्धनता और बेरोज़गारी में वृद्धि होती है।
- d. निर्यातों की अपेक्षा आयात तेज़ी से बढ़ते हैं।

- सकल घरेलू उत्पाद (GDP): यह एक निश्चित समय (आमतौर पर एक वर्ष) के भीतर अर्थव्यवस्था में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का बाज़ार मृल्य है।
- सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP): सकल घरेलू उत्पाद (GDP) है, जिसमें विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय शामिल है। GNP उत्पादन के कारकों द्वारा समग्र उत्पादन का मापन करता है, भले उनकी अवस्थिति कुछ भी हो जबिक GDP घरेलू सीमा में सृजित आय तथा गैर-निवासियों द्वारा सृजित आय को भी शामिल करता है।
- नाममात्र GDP: यह अर्थव्यवस्था में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य को उनके वर्तमान बाज़ार मूल्यों पर मापता है। इस प्रकार, नाममात्र GDP की गणना करते समय मुद्रास्फीति को समायोजित नहीं किया जाता है।
- निरपेक्ष GNP या वास्तविक GNP: इसे मुद्रास्फीति-समायोजित सकल राष्ट्रीय उत्पाद के रूप में भी जाना जाता है जो निरंतर आधार-वर्ष की कीमतों पर मापी जाती है।
- प्रति व्यक्ति GNP: यह एक वर्ष में किसी देश द्वारा उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं सहित विदेशी निवेशों से प्राप्त के योग को वहाँ रहने वाले लोगों की संख्या से विभाजित करके प्राप्त किया जाता है।
- एक अर्थव्यवस्था में निरपेक्ष GNP तथा प्रति व्यक्ति GNP में वृद्धि, उच्च गरीबी और बेरोज़गारी होने पर उच्च स्तर के आर्थिक विकास का संकेत नहीं होती है। अतः विकल्प (c) सही है।
- 19. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: एक अवधारणा के रूप में मानव पूंजी निर्माण की बेहतर व्याख्या उस प्रक्रिया के रूप में की जाती है, जिसके द्वारा
  - किसी देश के व्यक्ति अधिक पूंजी जमा कर पाते हैं।
  - देश के लोगों के ज्ञान, कौशल के स्तर और क्षमताओं में वृद्धि हो पाती है।
  - 3. गोचर (मूर्त) धन का संचय।



- 4. अगोचर (अमूर्त) धन का संचय उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
- a. केवल 1 और 2
- b. केवल 2
- c. केवल 2 और 4
- d. केवल 1, 3 और 4

#### उत्तर: (c) व्याख्या:

- किसी राष्ट्र की कार्यशील आबादी अपने उत्पादन कौशल और क्षमताओं द्वारा उस देश के मानव संसाधन पूल का निर्माण करते हैं। एक राष्ट्र की जनसंख्या द्वारा अपने कौशल से उस देश के सकल राष्ट्र उत्पाद के निर्माण में योगदान करने की क्षमता को मानव पूंजी के रूप में जाना जाता है।
- मानव पूंजी निर्माण को मानव संसाधनों के स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास में निवेश करके मानव संसाधन के विकास के रूप में परिभाषित किया गया है। अन्य शब्दों में, मानव पूंजी निर्माण अपने आप में देश के लोगों के ज्ञान, कौशल स्तर और क्षमताओं को बढ़ाने की प्रक्रिया को शामिल करता है। अतः कथन 2 सही है
- शिक्षा, कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोज़गार प्रशिक्षण मानव संसाधन एवं मानव पूंजी की अमूर्त संपत्ति का भाग हैं। अतः कथन 4 सही है।
- मानव पूंजी निर्माण के स्रोत:
  - शिक्षा में निवेश
  - निवारक और उपचारात्मक दोनों स्वास्थ्य में निवेश
  - कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण में निवेश
  - o रोज़गार प्रशिक्षण में निवेश
  - प्रवासन और सूचना, अतः विकल्प
     (c) सही है।
- 20. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - त्यागराज कृति के अधिकांश भाग भगवान कृष्ण की प्रशंसा में रचित भक्ति गीत हैं।
  - 2. त्यागराज ने कई नए राग बनाए।
  - 3. अन्नामाचार्य और त्यागराज समकालीन हैं।

4. अन्नामाचार्य कीर्तन भगवान वेंकटेश्वर की स्तुति में रचित भिक्ति गीत हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1 और 3
- b. केवल 2 और 4
- c. केवल 1, 2 और 3
- d. केवल 2, 3 और 4

उत्तर: (b) व्याख्या:

#### त्यागराज

- संत त्यागराज का जन्म 14 मई 1767 को तिमलनाडु के तंजावुर ज़िले के तिरुवयारु गाँव में हुआ था। उन्होंने एक संत की तरह लंबा और कठोर जीवन व्यतीत किया और 6 जनवरी, 1847 को उनका निधन हो गया।
- वह कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति में से एक हैं। मुथुस्वामी दीक्षितार (1775-1835) और श्यामा शास्त्री (1763-1827) कर्नाटक संगीत शैली की 'त्रिमूर्ति' के दो अन्य संगीतकार है।
- त्यागराज ने सोंती वेंकटरामय्या से संगीत प्रशिक्षण लिया। उन्होंने कई नए रागों की रचना की। अतः कथन 2 सही है।
- वह भगवान राम के एक भक्त थे। भगवान राम की प्रशंसा और सम्मान में, उन्होंने कई संगीतमय नाटक लिखे और लगभग चौबीस हजार गीत लिखे। अतः कथन 1 सही नहीं है।

#### • अन्नामाचार्य

- अन्नामाचार्य (1408-1503) 15वीं
   शताब्दी के एक हिंदू संत थे। अतः
   कथन 3 सही नहीं है।
- वह विष्णु के एक रूप, भगवान वेंकटेश्वर की स्तुति में संकीर्तन नामक गीतों की रचना करने वाले सबसे पहले ज्ञात भारतीय



# संगीतकार हैं। अतः कथन 4 सही है।

- 21. 'रेपो रेट' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये
  - यह वह दर है जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों से धन उधार लेता है।
  - मुद्रास्फ़ीति के समय रेपो दर में कटौती की जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

#### उत्तर: (d) व्याख्या:

- रेपो रेट वह रेट है जिस पर किसी देश का केंद्रीय बैंक (भारत के मामले में भारतीय रिजर्व बैंक) परिसंपतियों और देयताओं में असंतुलन होने पर वाणिज्यिक बैंकों (Commercial Banks) को धन उधार देता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- मुद्रास्फ़ीति की स्थिति में केंद्रीय बैंक रेपो
  रेट में वृद्धि करते हैं क्योंकि यह बैंकों को
  केंद्रीय बैंक से उधार लेने के लिये
  हतोत्साहित करता है। यह अंततः
  अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को कम करता
  है और इस प्रकार मुद्रास्फ़ीति को नियंत्रित
  करने में सहायता करता है। अतः कथन 2
  सही नहीं है।
- एक आदर्श स्थिति में कम रेपो रेट से लोगों को कम लागत पर ऋण मिलना चाहिये। जब RBI रेपो रेट को घटाता है, तो यह बैंकों से अपेक्षा करता है कि वे भी ऋण पर ब्याज दरों में कमी करे।
- 22. साख नियंत्रण हेतु RBI द्वारा प्रयोग किये जाने वाले मात्रात्मक उपकरण के रूप में किसका उपयोग नहीं किया जाता है?
- a. नकद आरक्षित अनुपात
- b. ओपन मार्केट ऑपरेशन
- c. क्रेडिट राशनिंग
- d. वैधानिक तरलता अनुपात

#### उत्तर: (c) व्याख्या:

- अर्थव्यवस्था में ऋण के प्रवाह के प्रबंधन हेतु RBI द्वारा दो प्रकार की तकनीकों मात्रात्मक और गुणात्मक साख नियंत्रण उपायों का प्रयोग किया जाता है।
- मात्रात्मक उपायों में बैंक दर नीति, ओपन मार्केट ऑपरेशन (खुले बाजार की क्रियाएँ), वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) और नकद आरक्षित अनुपात (CRR) जैसे परिवर्तनीय आरक्षित अनुपात शामिल हैं।
- गुणात्मक उपाय में चयनात्मक साख नियंत्रण, क्रेडिट राशनिंग, नैतिक दबाव, उपभोक्ता ऋणों का विनियमन, प्रत्यक्ष कार्रवाई और प्रचार को शामिल किया जाता है। अतः विकल्प (c) सही है।
- 23. निम्नलिखित में से कौन सी रिपोर्ट भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्रकाशित नहीं की जाती है?
  - वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट
- b. राजकोषीय निगरानी रिपोर्ट
- c. मौद्रिक नीति रिपोर्ट
- d. विदेशी मुद्रा भंडार पर रिपोर्ट

#### उत्तर: (b) व्याख्या:

a.

- वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (Financial Stability Report- FSR): वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट व्यापक आर्थिक पर्यावरण, वित्तीय संस्थानों, बाजारों और बुनियादी ढाँचे पर पड़ने वाले जोखिमों की प्रकृति, परिमाण और प्रभावों की समीक्षा के लिये वर्ष में दो बार जारी की जाने वाली रिपोर्ट है।
- मौद्रिक नीति रिपोर्ट: प्रत्येक छह महीने में एक बार रिज़र्व बैंक को मौद्रिक नीति रिपोर्ट (Monetary Policy Report) नामक एक दस्तावेज़ प्रकाशित करना आवश्यक है जिसमे RBI निम्नलिखित स्पष्टीकरण देती है: (1) मुद्रास्फ़ीति के स्रोत और (2) आगामी 6-18 महीनों के लिये मुद्रास्फ़ीति का पूर्वानमान।
- विदेशी मुद्रा भंडार पर रिपोर्ट: भारतीय रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन पर अर्द्ध-वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करता है, जो



- कि पारदर्शिता और प्रकटीकरण के स्तर को बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा है।
- राजकोषीय निगरानी रिपोर्ट (Fiscal Monitor Report): यह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund-IMF) द्वारा वर्ष में दो बार प्रकाशित की जाने वाली रिपोर्ट है। अतः विकल्प (b) सही है।
- 24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - 1. जनता में प्रचलित करेंसी नोट्स
  - वाणिज्यिक बैंकों के पास वॉल्ट नकद (Vault Cash)
  - RBI के पास निहित भारत सरकार की जमा राशि
  - 4. आरक्षित नकदी निधि अनुपात (Cash Reserve Ratio) के अंतर्गत RBI के पास बैंक जमा

उपर्युक्त में से कौन-से आधारभूत मुद्रा (High Powered Money) का निर्माण करते हैं?

- a. केवल 1, 2 और 3
- b. केवल 2, 3 और 4
- c. केवल 1, 2 और 4
- d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d) व्याख्या:

- देश के मौद्रिक प्राधिकरण (भारत के संदर्भ में RBI) की कुल देयता को उच्च शक्तिशाली मुद्रा (High Powered Money) या मौद्रिक आधार कहा जाता है। दूसरे शब्दों में, यह बैंकों की जमाओं और जनता द्वारा धारित मुद्रा (करेंसी) का योग है।
- यहाँ देयता (Liability) का तात्पर्य यह है कि RBI कानूनी रूप से उस मुद्रा के लिये उत्तरदायी है जो इसने जारी की है और इस पर दूसरे/अन्य पक्ष द्वारा दावा पेश किया गया है।
- यदि कोई व्यक्ति RBI के समक्ष मुद्रा नोट प्रस्तुत करता है तो RBI को उस व्यक्ति को नोट पर मुद्रित संख्या के समान मूल्य का भुगतान करना होगा।
- इसी तरह, RBI में जमाराशि, जमा धारक की मांग पर प्रतिदेय (Refundable) है।

- RBI में भारत सरकार की जमा राशि और RBI में निहित वाणिज्यिक बैंकों की जमा राशि हेतु RBI पर दावा किया जा सकता है और इसलिये इसे भारतीय रिज़र्व बैंक की देयता माना जाता है।
- उच्च शक्तिशाली मुद्रा में जनता में प्रचलित मुद्रा/करेंसी नोट्स और सिक्के; वाणिज्यिक बैंकों में जमा नकद; RBI में निहित भारत सरकार की जमा राशि और RBI में निहित वाणिज्यिक बैंकों की जमा राशि (नकद आरक्षित अनुपात) शामिल है। अत: विकल्प (d) सही है।
- 25. भारतीय रिज़र्व बैंक मुद्रा आपूर्ति के चार वैकल्पिक मापों नामत: M1, M2, M3 और M4 पर डेटा प्रकाशित करता है। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - M1 जनता के पास मुद्रा सिहत बैंक प्रणाली की मांग जमा एवं RBI के पास अन्य जमाओं का योग है।
  - 2. M3, M1 और बैंकों में सावधि जमा का योग है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

- भारतीय रिज़र्व बैंक मुद्रा आपूर्ति के चार वैकल्पिक मापों (यानी संकलित मौद्रिक राशि/Monetary Aggregates-मुद्रा के घटक) अर्थात् M1, M2, M3 और M4 पर डेटा प्रकाशित करता है। इन घटकों में विभिन्न तरलता वाली मुद्रा को शामिल किया जाता था।
  - M1 = जनता के पास मुद्रा + बैंकों के पास मांग जमा + RBI के पास अन्य जमाओं का योग। अत: कथन 1 सही है।
  - M2 = M1 + डाकघर बचत बैंकों की जमाएँ (मांग जमाएँ)।



- M3 = M1 + बैंक प्रणाली में आवधिक जमाएँ (Time deposits with the banking system)। अत: कथन 2 सही है।
- M4 = M3 + डाकघर बचत बैंकों
   में कुल जमा (राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र को छोड़कर)।
- M1 और M2 संकीर्ण मुद्रा के माप हैं।
- M3 और M4 व्यापक मुद्रा के माप हैं।
- M3 मुद्रा आपूर्ति का सबसे व्यापक मान है, इसे समाज का संकलित मौद्रिक संसाधन भी कहा जाता है।
- 26. बाजार स्थिरीकरण योजना (MSS) के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा सही है?
- a. इसका उद्देश्य बड़े पूँजी प्रवाह से उत्पन्न होने वाले तरलता अधिशेष को समायोजित करना है।
- b. यह RBI को मौद्रिक नीति संचरण में सहायता करती है।
- सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री और खरीद की सुविधा प्रदान कराती है।
- d. कृषि वस्तुओं की कीमतों के स्थिरीकरण द्वारा सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि प्राप्त करना।

#### उत्तर: (a) व्याख्या:

- बाजार स्थिरीकरण योजना (MSS):
  मौद्रिक प्रबंधन के लिये यह उपकरण वर्ष
  2004 में पेश किया गया था। इसके द्वारा
  बड़े पूँजी प्रवाह से उत्पन्न अधिक स्थायी
  प्रकृति के तरलता अधिशेष को लघुदिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों और
  ट्रेजरी बिलों (Treasury Bills) की बिक्री
  के माध्यम से अवशोषित किया जाता है।
- जुटाए गए नकद को रिजर्व बैंक के पास एक अलग सरकारी खाते में रखा जाता है। इस प्रकार इस साधन में SLR और CRR दोनों की विशेषताएँ हैं।
- MSS जारी करने हेतु सरकार और RBI के बीच एक वर्ष के दौरान RBI द्वारा जारी किए जाने वाले स्थिरीकरण बांड की कुल सीमा के

बारे में एक समझौता ज्ञापन है। नवीनतम नीति के अनुसार, विमुद्रीकरण की पृष्ठभूमि में तरलता का प्रबंधन करने के लिये , सरकार ने स्थिरीकरण बांड की सीमा को बढ़ाकर 6 लाख करोड़ कर दिया था। अतः विकल्प (a) सही है।

27. निम्नलिखित में से कौन-सा/से भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई के आरोपण हेतु सतर्कता बिंदु माना/माने जाता/जाते है/हैं?

- 1. उच्च जोखिम भारित परिसंपत्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात (CRAR)
- 2. उच्च निवल अनर्जक परिसंपत्तियाँ (NPA)
- 3. परिसंपत्तियों पर निम्न प्रतिफल (RoA) नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:
- a. केवल 2
- b. केवल 1 और 2
- c. केवल 2 और 3
- d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्याः

वाणिज्य बैंकों के लिये भारतीय रिज़र्व बैंक की पी.सी.ए. रूपरेखा:

- त्विरत सुधारात्मक कार्रवाई (प्रॉम्प्ट करेक्टिव ऐक्शन-पी.सी.ए.) रूपरेखा के भाग के रूप में भारतीय रिज़र्व बैंक ने कुछ नियामक सक्रियता बिंद्र स्पष्ट किये हैं:
  - जोखिम भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात (CRAR)
  - o निवल अनर्जक आस्ति (NPA
  - o आस्तियों पर प्रतिलाभ (RoA)
  - पी.सी.ए. ढाँचा केवल वाणिज्यिक बैंकों पर लागू होता है। यह सहकारी बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एन.बी.एफ.सी.) और एफ.एम.आई. पर लागू नहीं होता है। अत: विकल्प (d) सही है।
- 28. निम्नलिखित क<sup>े</sup>थनों पर विचार कीर्जिये:
  - 1. नाट्य-नृत्य रूप 'यक्षगान' और 'थेय्यम' में स्थानीय नायकों, राजाओं और देवताओं का गुणगान किया जाता हैं।



2. 'कलारीपयट्टु' और 'छऊ' मार्शल आर्ट से विकसित विशेष नृत्य कलाएँ हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1, न ही 2

#### उत्तर: (c) व्याख्या:

- भारत के विभिन्न क्षेत्रों में, पूरे वर्ष त्योहार, मेले, सभाएँ, अनुष्ठान तथा प्रार्थनाएँ होती हैं। इन अवसरों के दौरान, पारंपिरक रंगमंच-कलाएँ प्रस्तुत की जाती हैं।
- वे आम आदमी के सामाजिक दृष्टिकोण तथा धारणाओं को प्रतिबिंबित करते हैं। इस सामाजिक चित्रण में, व्यक्ति की भूमिका भी होती है जिसे उचित महत्त्व दिया जाता है।
- नृत्य-नाटक या लोक रंगमंच के कई रूप हैं, जैसे- राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार की नौटंकी, गुजरात व राजस्थान की भवाई, महाराष्ट्र का तमाशा और बंगाल का जात्रा।
- कर्नाटक का यक्षगान और केरल का थेय्यम भी नाट्य-नृत्य के प्रभावशाली रूपों में से हैं। ऊपर बताई गई ये सभी नृत्य कलाएँ स्थानीय नायकों, राजाओं और देवताओं का गुणगान करती हैं। अत: कथन 1 सही है।
- मार्शल आर्ट कला-रूप को पूरे देश में अर्द्ध-नृत्य कला के रूप में शैलीबद्ध किया गया है।
- उत्तर-पूर्वी पहाड़ी जनजातियों के कुछ मार्शल नृत्य, महाराष्ट्र का लेजिम, केरल का कलरीपायट्टु और ओडिशा, पश्चिमी बंगाल व बिहार का बेहद सुंदर मुखौटों वाला छऊ नृत्य इनमें से कुछ उल्लेखनीय मार्शल नृत्य रूप हैं। अत: कथन 2 सही है
- 29. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - भरत मुनि का 'नाट्यशास्त्र' केवल नाट्य कला से संबंधित है।
  - 2. जयदेव कृत 'गीत-गोविन्द' राधा और कृष्ण के प्रेम पर आधारित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

- भरत मुनि का 'नाटयशास्त्र' भारतीय संगीत की ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसका रचनाकाल दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व और दूसरी ईसवी के मध्य में माना जाता है।
- 'नाटयशास्त' एक व्यापक रचना है जो मुख्यत: नाट्यकला से संबंधित है, लेकिन इसके कुछ अध्याय संगीत के बारे में भी हैं, जो संगीत के बारे में भी हैं, जो संगीत के बारे में जानकारी देते हैं। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- प्राचीन समय से ही संगीत रूपों को दो व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया गया है। ये हैं- अनिबद्ध और निबद्ध संगीत।
- अनिबद्ध संगीत वह है जो सार्थक शब्दों और ताल द्वारा प्रतिबंधित नहीं है। यह एक मुक्त तात्कालिक प्रदर्शन है। इसका सर्वोत्कृष्ट रूप 'आलाप' है।
- निबद्ध प्रकार यानी बाध्य रूप में सबसे पुराना उपलब्ध 'प्रबंध गीति' है। वास्तव में, किसी भी निबद्ध गीत या संगीतीय रचना (कंपोजिशन) को प्रकट करने के लिये प्राय: 'प्रबंध' शब्द का प्रयोग किया जाता है। वे निश्चित रागों और तालों पर निर्धारित थे।
  - संस्कृत में गीतों और छंदों के साथ रची गई जयदेव की रचना 'गीत गोविन्द', संगीत की प्रबंध गीति में से एक है।
    - इसमें राधा और कृष्ण के प्रेम के हर पक्ष-उत्कंठा, ईर्ष्या, आशा, निराशा, व्रोध, मिलाप एवं आनंद का वर्णन मिलता है। इसमें अष्टपदी गीत हैं यानी हर गीत में आठ दोहे (couplets) होते हैं। अत: कथन 2 सही है।
- 30. कालबेलिया नृत्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:



- यह गुजरात के कालबेलिया जनजाति द्वारा किया जाता है।
- 2. यह उनके ज्ञान और कहानियों के माध्यम से पौराणिक ज्ञान का प्रसार करता है
- 3. कालबेलिया एक अनुसूचित जनजाति है जो घुमंतू जीवनयापन करते है।

- a. केवल 2
- b. केवल 2 और 3
- c. केवल 1 और 2
- d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b) व्याख्या:

- कालबेलिया नृत्य कालबेलिया समुदाय के जीवन के पारंपरिक तरीके की अभिव्यक्ति है। कालबेलिया की सबसे अधिक आबादी राजस्थान के पाली, अजमेर, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर ज़िलों में पाई जाती है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- कालबेलिया जनजाति के लोग कभी पेशेवर सपेरे हुआ करते थे। कालबेलिया समुदाय अपने पूर्व व्यवसाय को प्रयोग करते हुए वर्तमान में संगीत और नृत्य को नए और रचनात्मक तरीकों से विकसित कर रहा है। वे **घुमंतू अर्थात् ख़ानाबदोश जीवनयापन** करते हैं और ये अनुसूचित जनजातियों से संबंधित हैं। अतः कथन 3 सही है।
- कालबेलिया गीत कहानियों के माध्यम से पौराणिक ज्ञान का प्रचार-प्रसार करते हैं, जबिक विशेष पारंपरिक नृत्य होली के उत्सव के दौरान किये जाते हैं। अतः कथन 2 सही है।
- 31. मथुरा कला शैली निम्नलिखित में से किस/किन धर्म/धर्मों से प्रेरित थी?
  - 1. बौद्ध धर्म
  - 2. जैन धर्म
  - 3. हिंदू धर्म

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- a. 1, 2 और 3
- b. केवल 1 और 3
- c. केवल 3
- d. केवल 2 और 3

#### उत्तर: (a) व्याख्या:

- मथुरा कला शैली यमुना नदी के तट पर विकसित हुई। कुषाण काल की मूर्तियों की एक बड़ी संख्या मथुरा शैली से संबंधित है।
- मथुरा में प्रचलित मूर्तिकला की अनोखी विधि इसे देश के अन्य क्षेत्रों में पाई जाने वाली मूर्तियों से अलग बनाती है।
- कटरा टीले से प्राप्त बुद्ध की मूर्ति दूसरी शताब्दी ईस्वी की है। इसमें बुद्ध को दो बोधिसत्व परिचारकों के साथ दर्शाया गया है। साथ ही, मथुरा भगवान कृष्ण की जन्म स्थली भी है और इस कारण यह हिंदुओं के लिये एक महत्त्वपूर्ण तीर्थस्थल रहा है।
- केवल हिंदू और बौद्ध धर्म ही नहीं बल्कि जैन धर्म भी मथुरा में फला-फूला। जैन समुदाय बहुत समृद्ध था और मथुरा में सभी 24 तीर्थंकरों की पूजा की जाती थी। अत: विकल्प (a) सही है।
- 32. अशोक के स्तंभों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - 1. इन स्तंभों का मूल पक्की हुई ईंटों से बना है।
  - 2. इन स्तंभों के दंड (Shaft) एकाश्मक है।
  - 3. इन स्तंभों को स्वतंत्र रूप से स्थापित किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1 और 2
- b. केवल 1 और 3
- c. केवल 2 और 3
- d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c) व्याख्या:

# अशोक स्तंभ

- स्तंभ आमतौर पर चुनार के बलुआ पत्थर से बने होते थे और इनके निर्माण में पक्की हुई ईंटों का कोई उपयोग नहीं हुआ है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- इन स्तंभों का दंड एकाश्मक (Monolithic)
   है अर्थात् इसे पत्थर के एकल टुकड़े से बनाया गया है, ना कि पत्थर के कई भागों को जोड़कर। अत: कथन 2 सही है।



- इन स्तंभों को स्वतंत्र रूप से खड़ा किया गया
   था और ये राज्य की किसी भी इमारत/भवन
   से संबद्ध नहीं थे। अत: कथन 3 सही है।
- अशोक के स्तंभों के उदाहरण- चंपारण में लौरिया नंदनगढ़ स्तंभ, वाराणसी में सारनाथ स्तंभ आदि।
- 33. 'प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - यह भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 के तहत स्थापित एक सांविधिक निकाय है।
  - यह केवल भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड द्वारा पारित आदेशों के खिलाफ अपीलों की सुनवाई और निपटान करता है।

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

# उत्तर: (a) व्याख्या:

- प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 15K के प्रावधानों के तहत स्थापित एक सांविधिक निकाय है। अतः कथन 1 सही है।
- यह भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) और भारतीय बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण (IRDAI) द्वारा पारित आदेशों के खिलाफ की गई अपीलों की सुनवाई और उनका निपटान करता है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- हाल ही में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अनिधकृत व्यापार (इनसाइड ट्रेडिंग) के मामलों के बारे में जानकारी साझा करने वाले सूचना प्रदाताओं (व्हिसलब्लोअर्स) और अन्य मुखबिरों को पुरस्कृत करने हेतु एक नई व्यवस्था की शुरुआत की है।

- 34. 'बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - यह एक बालक को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है, जिसने अठारह वर्ष की आयु पूरी नहीं की है।
  - 2. यह बाल विवाह हेतु अठारह वर्ष से अधिक आयु वाले एक पुरुष के साथ-साथ महिला के लिये भी दंड का प्रावधान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

- बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत 'बालक' से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने, यदि पुरुष है तो, इक्कीस वर्ष की आयु पूरी नहीं की है और यदि महिला है तो, अठारह वर्ष की आयु पूरी नहीं की है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- बाल विवाह कठोर कारावास के साथ एक दंडनीय अपराध है, जिसमें 2 वर्ष तक की अविध का कारावास हो सकता है, या 1 लाख रुपए तक का जुर्माना, या दोनों हो सकता है। इस अधिनियम के अंतर्गत यह अपराध संज्ञेय एवं गैर-ज़मानती हैं।
- इस कानून के तहत व्यक्तियों में शामिल है:
  - वह व्यक्ति जो कोई किसी बाल-विवाह को संपन्न करेगा, संचालित करेगा, या निदिष्ट करेगा, या दुष्प्रेरित करेगा।
  - 18 वर्ष से अधिक आयु का पुरुष वयस्क यदि बालिका से विवाह करे (धारा 9)। अतः कथन 2 सही नहीं है।
  - कोई भी व्यक्ति जिसमें- माता-पिता या संरक्षक, किसी संस्था या संघ का कोई सदस्य शामिल है, जिसके अधीन बालक है, जो बाल विवाह को प्रोत्साहित करे, अनुमति दे, भाग ले।



- 35. हाल ही में समाचारों में रहा 'TrueNat' संदर्भित करता है:
- a. सैन्य संचार हेतु निर्मित एक स्वदेशी उपग्रह को
- b. तपेदिक के उपचार के लिये निर्मित नैदानिक उपकरण को
- c. ग्रामीण भारत में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी हेतु अभियान को
- d. हिमालयी क्षेत्र में पाई गई पौधे की एक आक्रामक प्रजाति को

#### उत्तर: (b) व्याख्या:

- डूनाट टीबी परीक्षण (TrueNat TB Test) एक नया आणविक परीक्षण है जो एक घंटे में टीबी की जाँच कर सकता है और साथ ही यह रिफैम्पिसिन (Rifampicin) से उपचार के प्रति प्रतिरोध की भी जाँच कर सकता है।
   अतः विकल्प (b) सही है।
- इस उपकरण को गोवा की मोलबायों डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड (MolBio Diagnostics Pvt Ltd) कंपनी द्वारा विकसित किया गया है।
- रिफैम्पिसिन (Rifampicin) एक एंटीबायोटिक है जिसका उपयोग कई प्रकार के जीवाणु संक्रमणों जैसे- तपेदिक का इलाज करने के लिये किया जाता है।
- TrueNat एक पॉलीमरेस शृंखला अभिक्रिया (पॉलिमरेस चेन रिएक्शन- पीसीआर) आधारित परीक्षण है जो न केवल शरीर में जीवाणु की उपस्थिति का पता लगा सकता है, बल्कि दवा प्रतिरोधक क्षमता का भी पता लगा सकता है।
- हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने भी TrueNat नैदानिक उपकरण के प्रयोग का समर्थन किया है।
- 36. वित्तीय समावेशन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति (NSFI) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये
  - यह आर्थिक कल्याण, समृद्धि एवं सतत् विकास को बढ़ावा देने हेतु वित्तीय समावेशन में तीव्रता प्रदान करने के लिये भारत सरकार का एक दृष्टिकोण पत्र है।

 यह वर्ष 2019-2024 की अविध के लिये वित्तीय समावेशन के दृष्टिकोण एवं प्रमुख उद्देश्यों को निर्धारित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

- हाल ही में भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने सभी की विशेषकर गरीब एवं वंचित वर्गों की वित्तीय सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित कर वित्तीय समावेशन के प्रसार हेतु वित्तीय समावेशन के प्रसार हेतु वित्तीय समावेशन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति (NSFI) 2019-2024 का अनावरण किया है। सरकार का एक प्रमुख लक्ष्य वित्त तक सभी को औपचारिक पहुँच प्रदान करना है।
- यह आर्थिक कल्याण, समृद्धि एवं सतत् विकास को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय समावेशन में तीव्रता प्रदान करने के लिये भारत सरकार का एक दृष्टिकोण पत्र/ रणनीति है। अतः कथन 1 सही है।
- वित्तीय क्षेत्र के सभी हितधारकों को शामिल करते हुए वित्तीय समावेशन हेतु राष्ट्रीय कार्यनीति (NSFI)- 2019-2024, कार्रवाईयों के व्यापक अभिसरण के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर वित्तीय समावेशन प्रक्रिया को विस्तारित करने एवं उसे बनाए रखने में मदद करने के लिये देश में वित्तीय समावेशन नीतियों के दृष्टिकोण और प्रमुख उद्देश्यों को निर्धारित करता है।
- इस योजना का उद्देश्य औपचारिक वित्तीय सेवाओं को किफायती माध्यमों द्वारा उपलब्ध कराना, वित्तीय समावेशन को व्यापक एवं गहन करना तथा वित्तीय साक्षरता एवं उपभोक्ता संरक्षण को बढ़ावा देना है। अतः कथन 2 सही है।
- 37. निम्नलिखित में से कौन-से भारत में वर्ष 1991 में आर्थिक नीतियों के उदारीकरण के पश्चात् घटित हुए?



- GDP में कृषि का अंश वृहत् रूप से बढ़ गया।
- विश्व व्यापार में भारत के निर्यात का योगदान बढ गया।
- 3. FDI का अंतर्वाह बढ़ गया।
- भारत का विदेशी विनिमय भंडार वृहत् रूप से बढ़ गया।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- a. केवल 1 और 4
- b. केवल 2, 3 और 4
- c. केवल 2 और 3
- d. 1, 2, 3 और 4

#### उत्तर: (b) व्याख्या:

- भारत में आर्थिक सुधार वर्ष 1991 और बाद के वर्षों में सरकार द्वारा शुरू की गई नव-उदारवादी नीतियों को संदर्भित करते हैं। इस सुधारों का केंद्र बिंदु देश की अर्थव्यवस्था का उदारीकरण था, प्रचलित नियमों को सरल बनाना एवं निजी क्षेत्र को अधिक महत्त्व देना था। वर्ष 1991 की नई औद्योगिक नीति नए आर्थिक सुधारों का केंद्र बिंदु है।
- नई आर्थिक सुधारों की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:
  - औद्योगिक क्षेत्र का अनारिक्षत करना।
  - औद्योगिक क्षेत्र में विलाइसेंसीकरण की योजना।
  - अर्थव्यवस्था को विदेशी प्रतिस्पर्झी के लिये खोलना - आर्थिक सुधारों ने विदेशी व्यापार व विदेशी निवेश में व्यापक उदारीकरण की शुरुआत की। आयात प्रतिस्थापन एवं आयात प्रतिबंध नीतियों को समाप्त किया गया तथा इसके बजाय आयात उदारीकरण और निर्यात प्रोत्साहन नीतियों को पेश किया गया। इससे भारत के निर्यात में वृद्धि हुई। अतः कथन 2 सही है।
  - व्यापार एवं निवेश का उदारीकरण

- हालाँकि भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र के योगदान में धीरे-धीरे गिरावट आई। वर्ष 1991 में 29% की तुलना में वर्तमान में सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 17% है जो इस क्षेत्र के घटते योगदान को दर्शाता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- वर्ष 1991 से पहले विदेशी निवेश लगभग नगण्य था। निवेश के मुद्दे पर आर्थिक सुधार देश में पूंजी गतिशीलता के दौर को चिह्नित करते हैं। FDI (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) और FPI (विदेशी पोर्टफोलियो निवेश) के रूप में देश में विदेशी पूंजी के अंतर्वाह में वृद्धि हुई। अतः कथन 3 सही है।
- भारत में विदेशी मुद्रा भंडार की बुरी दशा उन कारकों में से एक थी, जिसने सरकार को वर्ष 1991 के आर्थिक सुधारों लाने के लिये बाध्य किया। वर्तमान में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार वर्ष 1991 की तुलना में रिकॉर्ड उच्च दर पर है। अतः कथन 4 सही है।
- 38. जनसांख्यिकीय लाभांश के पूर्ण लाभ प्राप्त करने के लिये भारत को क्या करना चाहिये?
- a. कौशल विकास को बढावा देना
- b. अधिक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का परिचय देना
- c. शिशु मृत्यु दर को कम करना
- d. उच्च शिक्षा का निजीकरण करना

- जनसांख्यिकी लाभांश का अभिप्राय कार्यशील जनसंख्या की बढ़ती भागीदारी के कारण अर्थव्यवस्था के विकास से है।
- अर्थशास्त्रियों के अनुसार, भारत में कार्यशील जनसंख्या आने वाले दशकों में अत्यधिक बढ़ने वाली है।
- भारत में कार्यशील वयस्कों की एक भारी संख्या है और जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिये सरकार को कौशल विकास एवं अन्य व्यावसायिक प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिये जिससे कुशल कार्यशील जनसंख्या को आसानी से कार्यबल में शामिल कर



आर्थिक विकास को त्वरित गति दी जा सके। अतः विकल्प (a) सही है।

- 39. भारत के सांस्कृतिक इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - फतेहपुर सीकरी में बुलंद दरवाज़ा और खानकाह के निर्माण में सफेद संगमरमर का प्रयोग हुआ था।
  - 2. लखनऊ में बड़ा इमामबाड़ा और रूमी दरवाज़ा के निर्माण में लाल-बलुआ पत्थर और संगमरमर का प्रयोग हुआ था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d) व्याख्या:

- 1601 ईस्वी में गुजरात विजय के उपलक्ष्य में अकबर द्वारा बुलंद दरवाज़ा का निर्माण करवाया गया था। यह 40 मीटर ऊँचा और 35 मीटर चौड़ा है। यह दरवाज़ा लाल-बलुआ पत्थर से निर्मित है न कि सफेद संगमरमर से। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- शेख सलीम चिश्ती (1478-1572) मुगल काल के सबसे प्रतिष्ठित सूफी संतों में से एक थे। उनका खानकाह या निवास स्थान फतेहपुर सीकरी के पास अवस्थित है जो कि साधारण प्रार्थना कक्ष है। वर्ष 1571 में अकबर ने फतेहपुर सीकरी में शुक्रवार मस्जिद परिसर के भीतर सूफी संत शेख सलीम चिश्ती के मकबरे का निर्माण किया। यह एक सफेद संगमरमर की संरचना है जो कि गुजराती मकबरे की वास्तुकला से अलंकृत एवं प्रेरित है और इसमें हिंदू, जैन और इस्लामी कला के तत्त्व शामिल हैं। यह शेख सलीम चिश्ती का मकबरा है जिसमें सफेद संगमरमर का प्रयोग किया गया था।
- वर्ष 1784 में अवध प्रांत में भीषण अकाल के प्रकोप के समय अवध के शासक नवाब आसफ-उद-दौला रोज़गार सृजन का एक नया तरीका लेकर आए। उन्होंने उस समय के सर्वश्रेष्ठ वास्तुकारों को बुलाया और उन्हें

- लखनऊ शहर के लिये एक भव्य प्रार्थना भवन - बड़ा इमामबाड़ा तैयार करने का कार्य सौंपा। इसकी पूरी इमारत लखनऊ की ईंटों एवं चूने के प्लास्टर से निर्मित हुई थी। इसके निर्माण में किसी लकड़ी या धातु का उपयोग नहीं किया गया था।
- वर्ष 1784 में नवाब आसफ-उद-दौला द्वारा लखनऊ में रूमी दरवाज़ा का निर्माण करवाया गया था। इस दरवाजे की बनावट तुर्की के सुल्तान के दरबार के प्रवेश द्वार से काफी मिलती है इसलिये इसे तुर्की दरवाज़ा के नाम से भी जाना जाता है। इसके निर्माण में लाल-बलुआ पत्थर और संगमरमर का प्रयोग नहीं किया गया था। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- 40. किसी अर्थव्यवस्था में यदि ब्याज दर को घटाया जाता है, तो:
- a. यह अर्थव्यवस्था में उपभोग व्यय घटाएगा।
- b. यह सरकार के कर संग्रह को बढाएगा।
- c. यह अर्थव्यवस्था में निवेश व्यय को बढाएगा।
- d. यह अर्थव्यवस्था में कुल बचत को बढाएगा।

- ब्याज दर कम करने से ऋण सस्ता हो जाता है अर्थात् यह ऋण लेना सस्ता हो जाता है जो अर्थव्यवस्था में व्यय एवं निवेश को प्रोत्साहित करता है। दूसरे शब्दों में, एक अर्थव्यवस्था में कॉरपोरेट और उद्यमियों को आसानी से ऋण की उपलब्धता की अनुमति देने और निवेश व्यय को बढ़ाने के लिये ब्याज दरों में कमी की जाती है।
- ब्याज दर कम होने से सामान्य तौर पर उपभोग व्यय में वृद्धि आती है। इसके अलावा, ब्याज दर कम करने से बचत करने की पद्धित में कमी आती है।
- कम ब्याज दर स्वचालित रूप से सरकार के कर संग्रह में वृद्धि का कारण नहीं बनती है। कर राजस्व बढ़ भी सकता है या नहीं भी। कर राजस्व में वृद्धि प्रायः सरकार द्वारा अपनी समष्टि आर्थिक नीतियों जैसे कराधान नीतियों, कर आधार में विस्तार आदि द्वारा



प्राप्त की जाती है। अतः विकल्प (c) सही है।

- 41. पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - इसका उपयोग बैंक जमाओं की सुरक्षा एवं वैश्विक वित्तीय प्रणालियों की स्थिरता और दक्षता सुनिश्चित करने हेतु किया जाता है।
  - 2. बेसल III मानकों के तहत बैंकों को न्यूनतम 8% CAR बनाए रखना अनिवार्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और ही 2

उत्तर: (c) व्याख्या:

- पूंजी पर्याप्तता अनुपात (Capital Adequacy Ratio-CAR) बैंक के जोखिम-भारित ऋण जोखिमों (Risk-Weighted Credit Exposures) के प्रतिशत के रूप में व्यक्त की गई पूंजी की मात्रा को दर्शाता है।
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात को पूंजी और जोखिम भारित परिसंपत्तियों के अनुपात (Capital-to-Risk Weighted Assets Ratio-CRAR) के रूप में भी जाना जाता है। इसका उपयोग जमाकर्त्ताओं की सुरक्षा और विश्व में वित्तीय प्रणालियों की स्थिरता एवं दक्षता को बढ़ावा देने के लिये किया जाता है। अतः कथन 1 सही है।
- बेसल III मानकों के तहत बैंकों को न्यूनतम 8% तक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाए रखना अनिवार्य है। अतः कथन 2 सही है।

# 42. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- वायदा अनुबंध भिवष्य में एक निर्धारित समय पर पूर्व निर्धारित मूल्य पर किसी विशेष वस्तु या संपत्ति को खरीदने या बेचने के लिये एक कानूनी समझौता है।
- वायदा अनुबंधों का कृषि जिंसों में हेजिंग उपकरणों के रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता है।

3. भारत में कमोडिटी वायदा बाज़ार का विनियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 1 और 2
- c. केवल 3
- d. केवल 1 और 3

- वायदा अनुबंध (फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट) भविष्य में एक निर्दिष्ट समय पर पूर्व निर्धारित मूल्य पर किसी विशेष वस्तु या संपत्ति को खरीदने या बेचने हेतु एक कानूनी समझौता है। अतः कथन 1 सही है।
- वायदा अनुबंध का प्रयोग कृषि वस्तुओं में हेजिंग उपकरणों के रूप में किया जाता है। हेजिंग एक सामान्य पद्धित है जो किसान को किसी कृषि जिंस के वायदा अनुबंध की खरीद के माध्यम से खराब फसल के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान कराती है अर्थात् वायदा अनुबंध एक तरह से बीमा की तरह कार्य करता है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- भारत में कमोडिटी वायदा बाज़ार (Commodity Futures Market) के लिये वायदा बाज़ार आयोग (Forward Markets Commission- FMC) एक विनियामक प्राधिकरण था। सितंबर 2015 में वायदा बाज़ार आयोग (FMC) का भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) में विलय कर लिया गया था। इसके बाद से वायदा बाज़ार का विनियमन भी सेबी द्वारा ही किया जाता है। अतः कथन 3 सही है।
- 43. निम्नलिखित में से कौन-से मुद्रा बाज़ार साधन (Money Market Instruments) के उदाहरण हैं?
  - 1. राजकोष बिल (Treasury bills)
  - 2. जमा प्रमाणपत्र (Certificate of Deposit)
- 3. वाणिज्यिक पत्र (Commercial Paper) नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:
- a. केवल 1 और 3



- b. केवल 1 और 2
- c. केवल 2 और 3
- d. 1, 2 और 3

# उत्तर: (d) व्याख्या:

- वित्तीय बाज़ार में दो घटक होते हैं- मुद्रा बाज़ार और पूंजी बाज़ार।
  - मुद्रा बाज़ार में अल्पाविधक ऋण शामिल होते हैं जिसकी समयाविध एक दिन से लेकर अधिकतम एक वर्ष तक होता है।
  - राजकोष बिल, व्यापारिक बिल रिपोर्ट, वाणिज्यिक पत्र और जमा प्रमाण पत्र अल्पावधि ऋण उपकरण (Short-Term Debt Instrument) के उदाहरण हैं।
     अत: विकल्प (d) सही है।
- पूंजी बाज़ार मध्यम और दीर्घकालिक प्रतिभूतियों जैसे इक्विटी शेयर एवं डिबेंचरों के व्यापार से संबंधित है।
- जमा प्रमाणपत्र (Certificate of Deposit)
  एक बैंक या अन्य योग्य वित्तीय संस्थान में
  जमा धनराशि के विरुद्ध गैर-भौतिक रूप में
  जारी एक विक्रय योग्य मुद्रा बाज़ार उपकरण
  (Negotiable Money Market
  Instrument) है। यह अल्पकालिक
  संसाधनों को बढ़ाने के लिये जारी किया
  जाता है।
- राजकोष बिल या टी-बिल मुद्रा बाज़ार उपकरण हैं, जो भारत सरकार द्वारा अल्पकालिक ऋण उपकरणों के रूप में जारी किये जाते हैं और वर्तमान में 91 दिन, 182 दिन और 364 दिन की अविध के लिये जारी किये जाते हैं।
- वाणिज्यिक पत्र (Commercial Paper) एक असुरक्षित मुद्रा बाज़ार उपकरण है, जो प्रतिज्ञा पत्र के रूप में जारी किया जाता है। यह निर्धारित कॉरपोरेट ऋणधारकों को अल्पकालिक ऋण के अपने स्रोतों को विविधता प्रदान करने और निवेशकों को अतिरिक्त उपकरण प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

- 44. पार्टिसिपेटरी नोट्स (P-Notes) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - P-Notes पंजीकृत विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) द्वारा विदेशी क्षेत्राधिकार में जारी किये जाने वाले डेरिवेटिव उपकरण हैं।
  - 2. P-Notes जारी करने वाले FII को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड में पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

- भारत के संदर्भ में एक पार्टिसिपेटरी नोट अथवा P-Note भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास पंजीकृत विदेशी संस्थागत निवेशक द्वारा विदेशी क्षेत्राधिकार में जारी किये जाने वाले डेरिवेटिव (व्युत्पन्न) उपकरण है। P-Note किसी भी भारतीय प्रतिभूति जैसे- इक्किटी, ऋण पत्र किसी अन्य डेरिवेटिव अथवा सूचकांक के लिये जारी किये जा सकते है। अतः कथन 1 सही है।
- P-Notes को प्रवासी व्युत्पन्न उपकरण (Overseas Derivative Instruments), इक्किटी लिंक्ड नोट्स, कैप्ड रिटर्न नोट्स और सहभागी रिटर्न नोट्स, आदि के रूप में भी जाना जाता है।
- निवेशकों की अनामता (Anonymity) के कारण P-Notes लोकप्रिय निवेश उपकरण हैं।
- विदेशी संस्थागत निवेशक (Foreign Institutional Investors- FIIs) P-Notes जारी करते हैं। इसके लिये शेयर मार्केट के ब्रोकर्स और FISI को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के साथ पंजीकृत कराना अनिवार्य है। अतः कथन 2 सही है।
- 45. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - प्राथिमक बाज़ार एक पूंजी बाज़ार है जहाँ मौजूदा प्रतिभूतियों को खरीदा और बेचा जाता है।



 प्राथिमक बाज़ार को स्टॉक मार्केट के रूप में भी जाना जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

#### उत्तर: (d) व्याख्या:

- प्राथमिक बाज़ार (Primary market) एक पूंजी बाज़ार है जो पहली बार जारी की जाने वाली प्रतिभूतियों से संबंधित है। यह द्वितीयक बाज़ार से अलग है जहाँ मौजूदा प्रतिभूतियों को खरीदा तथा बेचा जाता है।
   अतः कथन 1 सही नहीं है।
- प्राथमिक बाज़ार को नवीन निर्गमन बाज़ार (New Issues Market) के रूप में भी जाना जाता है। द्वितीयक बाज़ार को शेयर बाज़ार अथवा स्टॉक मार्केट कहा जाता है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- जब एक असूचीबद्ध कंपनी नवीन प्रतिभूतियाँ जारी करती है या अपनी मौजूदा प्रतिभूतियों की बिक्री का प्रस्ताव देती है या दोनों को पहली बार जनता के लिये पेश करती है, तो इसे आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (Initial Public Offering- IPO) के रूप में जाना जाता है।
- 46. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) के संदर्भ में सही नहीं है?
- a. NBFC चेक जारी नहीं कर सकते।
- b. NBFC मांग जमाएँ स्वीकार नहीं कर सकते।
- भारत के सभी NBFC भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित होते हैं।
- d. ₹500 करोड़ या उससे अधिक की परिसंपतियों वाली NBFC को भारत में प्रणालीगत रूप से महत्त्वपूर्ण NBFC माना जाता है।

- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी उस कंपनी को कहते हैं जो-
  - कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत पंजीकृत हो।
  - इसका मुख्य कारोबार उधार देना, विभिन्न प्रकार के शेयरों/स्टॉक/बांड्स/ डिबेंचरों/प्रतिभूतियों, पट्टा कारोबार, किराया-खरीद(हायर-पर्चेज), बीमा कारोबार, चिट संबंधी कारोबार में निवेश करना।
  - इसका मुख्य कारोबार किसी
    योजना अथवा व्यवस्था के अंतर्गत
    एकमुश्त रूप से अथवा किस्तों में
    जमाराशियाँ प्राप्त करना है।
- किंतु, किसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी में ऐसी कोई संस्था शामिल नहीं है जिसका मुख्य कारोबार कृषि, औद्योगिक, व्यापार संबंधी गतिविधियाँ हैं अथवा अचल संपत्ति का विक्रय/क्रय/निर्माण करना है।
- NBFCs की कुछ महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ:
  - NBFCs मांग जमाएँ (Demand Deposits) स्वीकार नहीं कर सकती हैं।
  - NBFC भुगतान और निपटान प्रणाली का अंग नहीं होते हैं तथा चेक जारी नहीं कर सकती।
- ऐसी NBFCs जिनकी अंतिम ऑडिट की गई बैलेंस शीट के अनुसार, जिनकी संपत्ति का आकार 500 करोड़ रुपए या उससे अधिक है उन्हें प्रणालीगत रूप से महत्त्वपूर्ण NBFC माना जाता है। क्योंकि ऐसी NBFC की गतिविधियों का समग्र अर्थव्यवस्था की वित्तीय स्थिरता पर असर पड़ता है।
- हाउसिंग फाइनेंस कंपनियाँ, मर्चेंट बैंकिंग कंपनियाँ और बीमा कंपनियाँ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (NBFC) हैं।
  - हालॉिक हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (HFC) को नेशनल हाउसिंग बैंक (NHB) द्वारा, मर्चेंट बैंकिंग कंपनियों (MBC) को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय



बोर्ड (Securities and Exchange Board of India) द्वारा तथा बीमा कंपनियों को बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) द्वारा विनियमित किया जाता है। अतः विकल्प (c) सही है।

# 47. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- मुद्रा जमा अनुपात (CDR), वाणिज्यिक बैंकों द्वारा आरबीआई (RBI) के पास रखे गए धन और स्वयं के पास धारित धन का अनुपात है।
- आरिक्षत जमा अनुपात (RDR), कुल जमा का वह अनुपात है जो वाणिज्यिक बैंकों द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में बनाए रखना आवश्यक होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d) व्याख्या:

- लोगों द्वारा अपने पास रखी गई मुद्रा और उनके द्वारा बैंकों में जमा की गई मुद्रा के अनुपात को मुद्रा जमा अनुपात कहते हैं। यह तरलता (Liquidity) के प्रति लोगों की प्राथमिकता को दर्शाता है। जब त्योहारों के समय लोग अपनी मांग जमा को नकद में परिवर्तित करते हैं, तब यह अनुपात बढ़ जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- आरिक्षत जमा अनुपात (RDR), कुल जमा का वह अनुपात है जो वाणिज्यिक बैंक आरिक्षत रूप में रखते हैं। बैंक लोगों द्वारा जमा कराए गए धन का कुछ हिस्सा अपने पास आरिक्षत रखते हैं और शेष विभिन्न निवेश परियोजनाओं में ऋण के रूप में प्रदान करते हैं।
  - आरिक्षत जमा के दो रूप हैं- बैंकों
     में वॉल्ट कैश और आरबीआई के
     पास वाणिज्यिक बैंकों की जमा
     राशि।

 बैंक खाता धारकों द्वारा नकदी की मांग को पूरा करने के लिये बैंक आरक्षित धन का उपयोग करते हैं।
 अत: कथन 2 सही नहीं है।

48. विश्व सीमा शुल्क संगठन (WCO) समाचारों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- WCO, विश्व व्यापार संगठन (WTO) के अधीन एक संगठन है।
- 2. यह विश्व व्यापार संगठन (WTO) के सीमा शुल्क मूल्यांकन तथा उत्पत्ति के नियमों पर समझौतों के तकनीकी पहलुओं का प्रबंधन करता है।
- 3. भारत, विश्व सीमा शुल्क संगठन (WCO) के एशिया प्रशांत क्षेत्र का वर्तमान क्षेत्रीय प्रमुख है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. े केवल 1 और 2
- b. केवल 2 और 3
- . केवल १
- d. 1, 2 और 3

- 'विश्व सीमा शुल्क संगठन' (WCO) एक अंतर-सरकारी संगठन है, जिसका मुख्यालय ब्रुसेल्स, बेल्ज़ियम में है। यह WTO के अधीन नहीं है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह 'सीमा शुल्क मामलों' में सक्षम एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय संगठन है तथा इसे अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क समुदाय की आवाज़ माना जाता है।
- WCO दुनिया भर में 183 सीमा शुल्क प्रशासनों का प्रतिनिधित्त्व करता है जो सामूहिक रूप से विश्व व्यापार के 98% से अधिक भाग का प्रबंधन करते हैं। भारत WCO का सदस्य है।
- WCO अंतर्राष्ट्रीय वस्तु नामकरण के लिये हार्मोनाइण्ड सिस्टम (HS) कोड प्रणाली का प्रबंधन करता है तथा यह विश्व व्यापार संगठन के सीमा शुल्क मूल्यांकन तथा उत्पत्ति के नियमों (Agreements on Customs Valuation and Rules of Origin) पर समझौतों के तकनीकी पहलुओं



का प्रबंधन करता है। **अत: कथन 2 सही है।** 

 जुलाई 2018 से जून 2020 तक दो वर्षों की अविध के लिये भारत WCO के एशिया प्रशांत क्षेत्र का उपाध्यक्ष या क्षेत्रीय प्रमुख बना। अत: कथन 3 सही है।

49. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

# कठपुतलियाँ

प्रकार

- कुंधेई धागा कठपुतली
   स्वामा कठपुतली
- 2. यमपुरी दस्ताना कठपुतली

3. पुतुल नाच छड़ कठपुतली उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

- a. 1, 2 और 3
- b. केवल 1 और 3
- c. केवल 3
- d. केवल 2 और 3

उत्तर: (b) व्याख्या:

- कठपुतली कला में संचार के माध्यम के रूप में कठपुतलियों (निर्जीव वस्तुओं) का प्रयोग किया जाता है। कठपुतलियाँ विभिन्न प्रकार की होती हैं, उदाहरण के लिये- धागा कठपुतलियाँ, छाया कठपुतलियाँ, छड़ कठपुतलियाँ और दस्ताना कठपुतलियाँ।
- ओडिशा की धागा कठपुतली को कुंधेई के नाम से जाना जाता है। ये हल्की लकड़ी से बनी होती हैं। अनेक जोड़युक्त अंग तथा धागों द्वारा संचालन इन्हें अत्यंत लचीलापन प्रदान करता है। इन कठपुतलियों के पैर नहीं होते हैं, लेकिन ये लंबा लहराता हुआ घाघरा पहने होती हैं।
- यमपुरी कठपुतिलयाँ बिहार की पारंपरिक छड़ कठपुति होती हैं। ये कठपुतिलयाँ पूरी तरह से एक ही लकड़ी के दुकड़े से बनी होती हैं और इनमें कोई जोड़ नहीं होता है।
- पश्चिम बंगाल की पारंपरिक छड़ कठपुतली को पुतुल नाच के नाम से जाना जाता है। ये लकड़ी से बनाई जाती हैं और इनमें क्षेत्र विशेष की विभिन्न कलात्मक शैलियों का प्रयोग किया जाता है।

- दस्ताने कठपुतिलयों को भुजा, हाथ या हथेली की कठपुतिलयों के रूप में भी जाना जाता है। इस तरह की कठपुतिली का सिर कागज़ के टुकड़ों या लुगदी से मिश्रित सामग्री, कपड़े या लकड़ी से बना होता है, जिसमें दोनों हाथ गर्दन के ठीक नीचे से बाहर निकले होते हैं। शेष शरीर एक लंबे लहराते हुए घाघरे के रूप में नज़र आता है। भारत में दस्ताना कठपुतली की परंपरा उत्तर प्रदेश, उडीसा, पश्चिम बंगाल और केरल में लोकप्रिय है। अत: विकल्प (b) सही है।
- 50. 'सिलंबम' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
  - यह हस्त-से-हस्त युद्ध आधारित युद्ध कला का एक प्रारूप है।
  - 2. इसे यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया है।
  - 3. इसका उल्लेख संगम साहित्य में किया गया है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- a. 1, 2 और 3
- b. केवल 2 और 3
- c. केवल 3
- d. उपरोक्त में से कोई नहीं

- सिलंबम तिमलनाडु की एक प्राचीन मार्शल आर्ट (युद्ध कला) है। यह यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल नहीं है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- सिलंबम एक शस्त्र आधारित युद्ध कला है एवं पारंपरिक रूप से इसे लंबे डंडे के साथ प्रदर्शित किया जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह विश्व की सबसे प्रचीनतम युद्ध कलाओं में से एक है, यह लगभग 5,000 वर्ष पुरानी है।
- सिलंबम, एक प्राचीन द्रविड़ियन युद्ध कला है। इसका उल्लेख संगम साहित्य (शिल्पादिकारम) में मिलता है। अत: कथन 3 सही है।



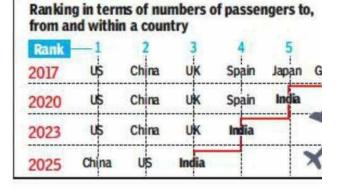
- वर्तमान में तीन प्रकार के सिलंबमिसलाम्बम का अभ्यास किया जाता है- पोर सिलंबम (युद्ध), सिलंबट्टम (लोक नृत्य) और पोटी सिलंबम (खेल)।
- 51. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - विश्व में नागरिक विमानन के लिये भारत सबसे बड़ा घरेलू बाज़ार है।
  - भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) भारत में हवाई अड्डों के प्रचालन, अनुरक्षण और विकास के लिये एकल उत्तरदायी निकाय है।

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d) व्याख्या:

- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) भारत में हवाई अड्डों के प्रचालन, अनुरक्षण और विकास के लिये एकल उत्तरदायी निकाय नहीं है। AAI द्वारा वाणिज्यिक रूप से 136 हवाई अड्डे प्रबंधित है जबिक 6 हवाई अड्डे सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत हैं। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- असेवित हवाई अड्डों (उड़ान) के परिचालन हेतु उड़ान योजना शुरू किये जाने से लेकर अब तक कुल 43 हवाई अड्डों का संचालन प्रारंभ किया जा चुका है।

# **CHANGING DYNAMICS**



- हवाई अड्डा संपर्क/कनेक्टिविटी के मामले में भारत विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा रिपोर्ट 2019 में 7 अन्य देशों (USA, चीन, जापान, यूके, आदि) के साथ प्रथम स्थान पर है। भारत विश्व में नागरिक विमानन के लिये तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाज़ार है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- 52. हाल ही में चर्चा में रहा 'आरटिस (ARTIS)' पोर्टल किससे संबंधित है?
- a. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रवाह प्रक्रियाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के उपयोग से।
- b. MSME मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित सभी योजनाओं के संबंध में सूचनाएँ प्रदान कराने से।
- c. न्यून मूल्य रोधी शुल्क, सुरक्षा शुल्क और प्रतिकारी शुल्क जैसे विभिन्न व्यापार उपायों के लिये ऑनलाइन याचिका प्रस्तुत करने से।
- d. बैंकों द्वारा गैर निष्पादित आस्तियों (NPA) की समयबद्ध सूचना साझा करने से।

- महानिदेशालय' 'व्यापार उपचार General of Trade (Directorate Remedie- DGTR) ने न्यून मूल्य रोधी शुल्क (Anti-Dumping Duty), सुरक्षा शुल्क (Safeguard Duty) और प्रतिकारी शुल्क (Countervailing Duty) जैसे विभिन्न व्यापार उपायों के लिये ऑनलाइन याचिका लिये करने के (Application for Remedies in Trade for Indian industry and Stakeholders-ARTIS) नामक ऑनलाइन पोर्टल पेश किया है। **अतः** विकल्प (c) सही है।
- व्यापार उपचार महानिदेशालय (DGTR)
   एंटी-डंपिंग ड्यूटी, काउंटरवेलिंग ड्यूटी और
   सुरक्षात्मक उपायों सिहत सभी व्यापार
   उपचारों के प्रशासन का शीर्ष राष्ट्रीय
   प्राधिकरण है।
  - यह वाणिज्य विभाग के संलग्न कार्यालय के रूप में कार्य करता है। एंटी-डंपिंग, काउंटरवेलिंग और सेफगार्ड ड्यूटी लागू करने के



# DGTR की सिफारिश पर राजस्व विभाग विचार करता है।

- 53. 'स्पेशल ओपन मार्केट ऑपरेशन' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
  - 1. इसे तरलता की कमी (Liquidity Crunch) के समय केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया जाता है।
  - 2. इसमें दीर्घकालिक प्रतिभूतियों की खरीद के साथ ही अल्पकालिक प्रतिभूतियों की बिक्री भी शामिल है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

#### उत्तर: (b) व्याख्या:

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा स्पेशल ओपन मार्केट ऑपरेशन (Special Open Market Operation) शुरू किया गया है, न कि केंद्र सरकार द्वारा। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- यह दीर्घकालिक प्रतिभूतियों की खरीद और साथ ही अल्पकालिक प्रतिभूतियों की बिक्री को संदर्भित करता है। कई बार इस प्रक्रिया को ऑपरेशन द्विस्ट (Operation Twist) भी कहा जाता है। अतः कथन 2 सही है।
- 54. अर्थशास्त्र में प्रयुक्त 'डीलीवरेज' (Deleverage) शब्द का क्या अर्थ है?
- a. कोई नया ऋण लिये बिना बकाया ऋण कम करना
- b. मंदी के दौरान किसी कंपनी के लाभ में वृद्धि
- c. खपत बढ़ाने के लिये सरकार द्वारा कर में कमी
- d. ब्याज दरों को कम करने में बैंकिंग क्षेत्रों को सक्षम करना

#### उत्तर: (a) व्याख्या:

 कोई नया ऋण लिये बिना बकाया ऋण चुकता करने की प्रक्रिया को 'डीलीवरेज' कहते हैं।

- दूसरी ओर, लीवरेज (Leverage)
   का अर्थ है परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिये उधार लिये गए धन का प्रयोग। अतः विकल्प (a) सही है।
- डीलीवरेज में आंतरिक संसाधनों के उपयोग से ऋण की मात्रा कम की जाती है। भवन, अचल संपत्ति, स्टॉक, बॉण्ड, सहायक कंपनियों आदि आस्तियों की बिक्री डीलीवरेजिंग के तरीके हैं।
- इसका एक अन्य लक्ष्य किसी व्यवसाय के लिये बैलेंस शीट में देयताओं द्वारा वित्तपोषित भाग को कम करना है।
- यद्यपि बहुत अधिक डिलेवरेजिंग से वित्तीय मंदी और साख संकट की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है।

55. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- भारत बॉण्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF) भारत का पहला कॉर्पोरेट ऋण एक्सचेंज ट्रेडेड फंड है।
- 2. ETF भारत में बॉण्ड बाज़ार के विस्तार में सहायक होगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c) व्याख्या:

भारत बॉण्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF):

- भारत सरकार ने भारत का पहला कॉर्पोरेट बॉण्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (Debt Exchange Traded Fund- Debt ETF) लॉन्च किया है जिसे भारत बॉण्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF) नाम दिया गया है।
- इसे केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (CPSEs) और उपक्रमों (CPSUs), केंद्रीय सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों (CPFIs) तथा अन्य सरकारी संगठनों के लिये पूंजी के अतिरिक्त स्रोत के तौर पर लाया गया है और यह भारतीय कॉर्पोरेट बॉण्ड बाज़ार में खुदरा



निवेशकों की भागीदारी में वृद्धि करेगा। अतः कथन 1 सही है।

- नियमित निर्गमों के साथ भारत बॉण्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड भारत में बॉण्ड बाज़ार को गहन बनाने में मदद करेगा और समय के साथ केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (CPSEs) के लिये उधार लेने की लागत में भी कमी करेगा। अतः कथन 2 सही है।
- 56. 'घरेलू उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - यह केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा आयोजित द्विवार्षिक सर्वेक्षण है।
  - यह केवल वस्तुओं की खपत पर व्यय के संबंध संबंध में सूचना एकत्र करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

## उत्तर: (d) व्याख्या:

- घरेलू उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण (Household Consumer Expenditure Survey-CES) पारंपरिक रूप से एक पंचवर्षीय सर्वेक्षण है जो सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के अधीन राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (National Sample Survey Office-NSSO) द्वारा प्रकाशित किया जाता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- यह देश भर में परिवारों के उपभोग व्यय पैटर्न पर सूचना एकत्र करता है। यह वस्तुओं (खाद्य और गैर-खाद्य) और सेवाओं दोनों पर औसत व्यय की जानकारी उपलब्ध कराता है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- 57. हाल ही में समाचारों में रहा 'व्हाइट आइलैंड' कहाँ अवस्थित है?
- a. संयुक्त राज्य अमरीका
- b. भारत
- c. ब्राज़ील

d. न्यूज़ीलैंड उत्तर: (d)

## व्याख्याः

- व्हाइट आइलैंड (White Island) न्यूज़ीलैंड का सबसे सक्रिय शंकु ज्वालामुखी है। अतः विकल्प (d) सही है।
- ज्वालामुखी का लगभग 70% भाग समुद्र के नीचे स्थित है और द्वीप इस ज्वालामुखी का शीर्ष भाग है। इस द्वीप को 'व्हाकारी' (Whakaari) नाम से भी जाना जाता है।



- 58. 'टिड्डी चेतावनी संगठन (LWO)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - यह एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो टिड्डियों के हमले के संबंध में वैश्विक समुदाय को सतर्क करता है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d) व्याख्या:

> संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) वैश्विक समुदाय को टिड्डियों की स्थिति से अवगत कराता है और जिन देशों पर उनके हमले का खतरा हो, उन्हें पूर्व-सूचना और समयबद्ध चेतावनी प्रदान करता है।



- o कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (Ministry of Agriculture & Farmers Welfare) के वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय (Directorate of Plant Protection Quarantine & Storage) के अधीन आने वाला टिड्डी चेतावनी संगठन मुख्य रूप से रेगिस्तानी क्षेत्रों राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में टिड्डियों की निगरानी, सर्वेक्षण और नियंत्रण के लिये कार्यरत संगठन है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- इसका केंद्रीय मुख्यालय फरीदाबाद (हरियाणा) में और क्षेत्र मुख्यालय जोधपुर (राजस्थान) में स्थित है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- स्थानीय रूप से टिड्डी के रूप में ज्ञात यह लोकस्ट (Locusts) प्रजाति अरंडी, जीरा, जट्रोफा, कपास, आलू, मवेशियों के चारे की खड़ी फसलों को नष्ट कर देती हैं।
- 59. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष (DALYs) समय-पूर्व मृत्यु के कारण अथवा संभावित जीवन वर्ष और रोग या आघात के कारण विकलांगता के साथ जीवित वर्षों का योग है।
  - 2. भारत के शहरी क्षेत्रों में DALY दर ग्रामीण क्षेत्रों से दोगुनी है।

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a) व्याख्या:

> विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष (Disability-Adjusted Life Years-DALYs) समय-पूर्व मृत्यु के कारण नष्ट हुए संभावित जीवन वर्ष और रोग या आघात के कारण विकलांगता के साथ बिताये गए वर्षों

- के भारित मान का योग है। अतः कथन 1 सही है।
- भारत के शहरी क्षेत्रों में DALY दर ग्रामीण क्षेत्रों से दोगुनी है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- 60. 'राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास और कार्यान्वयन ट्रस्ट' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - 1. यह भारत में औद्योगिक गलियारा परियोजनाओं के विकास की निगरानी करता है।
  - इसका प्रशासनिक नियंत्रण वित्त मंत्रालय के पास है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

- राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास और कार्यान्वयन ट्रस्ट (National Industrial Corridor Development and Implementation Trust- NICDIT) भारत में औद्योगिक गलियारों के समन्वित और एकीकृत विकास के लिये उत्तरदायी है। यह औद्योगिक गलियारा परियोजनाओं के विकास के लिये किये गए सभी केंद्रीय प्रयासों का समन्वय और निगरानी करता है।
   अतः कथन 1 सही है।
- NICDIT भारत में 5 औद्योगिक गलियारों के समन्वित व एकीकृत विकास के लिये केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (Department for Promotion of Industry and Internal Trade- DPIIT) के प्रशासनिक नियंत्रण में एक सर्वोच्च निकाय है। अतः कथन 2 सही नहीं है।



औद्योगिक गलियारे निम्नलिखित हैं:

| औद्योगिक गलियारे  | राज्य   |
|---|---|
| दिल्ली-मुंबई औद्योगिक<br>गलियारा (DMIC)   | उत्तर प्रदेश, हरियाणा,<br>राजस्थान, मध्य प्रदेश,<br>गुजरात, महाराष्ट्र            |
| अमृतसर-कोलकाता<br>औद्योगिक गलियारा<br>(AKIC)  | पंजाब, हरियाणा,<br>उत्तर प्रदेश,<br>उत्तराखंड , बिहार,<br>झारखंड, पश्चिम<br>बंगाल |
| चेन्नई-बंगलूरु औद्योगिक<br>गलियारा (CBIC)   | आंध्र प्रदेश, कर्नाटक,<br>तमिलनाडु, केरल  |
| पूर्वी तट आर्थिक गलियारा<br>(ECEC) सहित विजाग<br>चेन्नई औद्योगिक गलियारा<br>(VCIC) चरण-1 के रूप में | पश्चिम बंगाल,<br>ओडिशा , आंध्र प्रदेश,<br>तमिलनाडु                                |
| बंगलूरु-मुंबई औद्योगिक<br>गलियारा (BMIC)  | कर्नाटक, महाराष्ट्र   |

- 61. 'मुद्रास्फीति' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - कोर मुद्रास्फीति में खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों में परिवर्तन को शामिल किया जाता है।
  - 2. 'हेडलाइन मुद्रास्फीति' में परिवर्तनशील कीमतों वाली मदों विशेष रूप से खाद्य और ऊर्जा को शामिल नहीं किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d) व्याख्या:

> कोर मुद्रास्फीति को अंतर्निहित अथवा मुख्य मुद्रास्फीति (Underlying Inflation) के रूप में भी जाना जाता है। कोर मुद्रास्फीति

के मापन में अस्थिर मूल्य वाली मदों को शामिल नहीं किया जाता है, विशेष रूप से खाद्य पदार्थों और ईंधन को। इसमें खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों में होने वाले परिवर्तनों को शामिल नहीं किया जाता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।

- कोर मुद्रास्फीति के विपरीत, हेडलाइन मुद्रास्फीति खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों में परिवर्तन को ध्यान में रखा जाता है। इसमें एक अर्थव्यवस्था के भीतर सभी पहलुओं को शामिल किया गया है जो मुद्रास्फीति का अनुभव करते हैं और अत्यधिक अस्थिरता वाले आँकड़ों को हटाने के लियेहेडलाइन मुद्रास्फीति को समायोजित नहीं किया जाता है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- यह कहा जा सकता है कि कोर मुद्रास्फीति, हेडलाइन मुद्रास्फीति में से खाद्य और ईंधन वस्तुओं के मुद्रास्फीति में योगदान को हटाने के बाद की मुद्रास्फीति है। भारत में, हेडलाइन मुद्रास्फीति को थोक मूल्य सूचकांक (WPI) के संदर्भ में मापा जाता है।
- 62. जीडीपी अपस्फीतिकारक (GDP डिफ्लेटर) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?
- a. यह अर्थव्यवस्था में उत्पादित केवल वस्तुओं की कीमतों में परिवर्तन को मापता है।
- b. यह CPI सूचकांक की तुलना में अधिक व्यापक मुद्रास्फीति माप संकेतक है।
- c. यह चालू कीमतों पर GDP और स्थिर कीमतों पर GDP का अनुपात है।
- d. यह किसी वर्ष की वास्तविक आर्थिक गतिविधियों की किसी अन्य वर्ष से तुलना करने में सहायता करता है।

उत्तर: (a) व्याख्या:

GDP अपस्फीतिकारक (GDP Deflator)
एक अर्थव्यवस्था में उत्पादित सभी वस्तुओं
के साथ ही सेवाओं की कीमतों में भी
परिवर्तन का मापन करता है।



- मुद्रास्फीति के मापन के लिये GDP अपस्फीतिकारक CPI सूचकांक की तुलना में अधिक व्यापक संकेतक है क्यों कि यह वस्तुओं की एक निश्चित बास्केट पर आधारित नहीं है।
- GDP अपस्फीतिकारक चालू कीमतों पर GDP और स्थिर कीमतों पर GDP का अनुपात है।
  - यदि चालू कीमतों पर GDP स्थिर कीमतों पर GDP के बराबर है, तो GDP डिफ्लेटर 1 होगा, जिसका अर्थ है कि कीमत स्तरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यदि GDP डिफ्लेटर 2 है तो इसका अर्थ यह है कि 2 के गुणक द्वारा कीमत स्तरों में वृद्धि हुई है।
- यदि किन्हीं दो वर्षों के दौरान कीमतों में परिवर्तन हो गया है तो GDP की दो अलग-अलग वर्षों से तुलना करने पर भ्रामक परिणाम मिलेगा। इसलिये किन्हीं दो वर्षों की वास्तविक आर्थिक गतिविधियों के स्तर की तुलना करने के लिये अर्थशास्त्रियों द्वारा GDP डिफ्लेटर का उपयोग किया जाता है। अतः विकल्प (a) सही है।
- 63. 'सकल स्थिर पूंजी निर्माण' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये
  - यह भौतिक परिसंपत्तियों में शुद्ध वृद्धि को संदर्भित करता है।
  - 2. यह सकल घरेलू उत्पाद की गणना के लिये व्यय उपागम का एक घटक है।

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न 1 तो और न ही 2

उत्तर: (c) व्याख्या:

> सकल स्थिर पूंजी निर्माण (GFCF) भौतिक परिसंपत्तियों में शुद्ध वृद्धि को संदर्भित करता है यदि इसमें स्थिर पूंजी की खपत (मूल्यहास) को शामिल नहीं किया गया है।
>  अतः कथन 1 सही है।

- यह सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना करने के लिये व्यय उपागम का एक घटक है। व्यय पद्धित सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना के लिये एक प्रणाली है जो उपभोग, निवेश, सरकारी खर्च और शुद्ध निर्यात को जोड़ती है। यह GDP का अनुमान लगाने का सबसे आम तरीका है।
   अतः कथन 2 सही है।
- 64. निम्नलिखित में से कौन अर्थव्यवस्था के पंचक क्षेत्र (Quinary Sector) का उदाहरण है?
- केंद्रीय मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री के रूप में सेवाएँ देना।
- b. सेटेलाइट डिज़ाइन कर रही वैज्ञानिकों और अभियंताओं की टीम में काम करना।
- अपरिष्कृत हीरे को परिष्कृत हीरे में बदलना।
- d. फसलें उगाने के लिये ज़मीन तैयार करना। उत्तर: (a) व्याख्या:
  - अर्थव्यवस्था के पाँच क्षेत्र हैं- क्विनरी या पंचक क्षेत्र (इसमें निर्णय लेना शामिल है), कार्टरनरी या चतुर्थक क्षेत्र (ज्ञान और 'सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उद्योग'), तृतीयक क्षेत्र (सेवा उद्योग), द्वितीयक क्षेत्र (कच्चे माल को तैयार उत्पादों में परिवर्तित करना) और प्राथमिक क्षेत्र या गतिविधि (प्रकृति से कच्चा माल निकालना)।
    - कैबिनेट मंत्री के रूप में सेवाएँ देने में उच्च निर्णय लेना शामिल होता है। अतः यह एक क्विनरी सेक्टर गतिविधि है।
    - उपग्रहों को डिज़ाइन करने वाले वैज्ञानिकों और अभियंताओं (इंजीनियरों) की एक टीम में काम करने के लिये अच्छा ज्ञान और ICT प्रौद्योगिकी का उपयोग शामिल है। अत: यह एक क्वार्टरनरी या चतुर्थक क्षेत्र की गतिविधि है।
    - एक अपरिष्कृत हीरे को परिष्कृत हीरे में बदलने के लिये कच्चे माल को तैयार उत्पादों में बदलने के कौशल का उपयोग किया जाता है।



अत: यह द्वितीयक गतिविधि का एक उदाहरण है।

 फसलें उगाने के लिये अपनी भूमि तैयार करना प्राथमिक गतिविधि का एक उदाहरण है। अत: विकल्प (a) सही है।

## 65 निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये

- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) को आर्थिक सलाहकार कार्यालय द्वारा मासिक रूप से प्रकाशित किया जाता है।
- मौद्रिक नीति निर्धारण हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) केवल संयुक्त उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI-combined) का प्रयोग करता है।
- सरकारी कर्मचारियों को प्रदान किये जाने वाले महँगाई भत्ते तथा नियोक्ता व श्रमिक के बीच मज़दूरी अनुबंध का निर्धारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) के आधार पर किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 2
- b. केवल 3
- c. केवल 2 और 3
- d. केवल 1 और 2

- उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधार वर्ष (2011-12) के संदर्भ में किसी विशिष्ट क्षेत्र में परिभाषित जनसंख्या समूह द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के खुदरा मूल्यों में परिवर्तन का मापन है।
- यह सूचकांक एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक संकेतक है और इसे व्यापक रूप से मुद्रास्फीति के मापदंड, मूल्य स्थिरता की निगरानी के लिये एक उपकरण और राष्ट्रीय खातों में एक अपस्फीतिकारक के रूप में देखा जाता है।
- वर्तमान में भारत में संकलित उपभोक्ता मूल्य सूचकांक हैं: औद्योगिक श्रमिकों के लिये CPI (IW), कृषि मज़दूरों के लिये CPI (AL) और ग्रामीण श्रमिकों के लिये CPI (RL)I

- उपर्युक्त सूचकांकों का श्रम और रोज़गार मंत्रालय के तहत श्रम ब्यूरो द्वारा मासिक रूप से सभी राज्यों के साथ-साथ केंद्र-शासित प्रदेशों के लिये प्रकाशित किया जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- चूँिक उपर्युक्त तीन सूचकांक, समग्र देश को अपने दायरे में न लेकर केवल जनसंख्या के एक वर्ग को लेते हैं, इसिलये तीन नए सूचकांक भी मापे जाते हैं, वे हैं: CPI -ग्रामीण, CPI -शहरी, CPI संयुक्त।
  - 。 इनका **आधार वर्ष 2011-12 है**।
  - उपर्युक्त तीन सूचकांकों के लिये सभी राज्यों के साथ-साथ केंद्र-शासित प्रदेशों के लिये केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा इन्हें मासिक रूप से प्रकाशित किया जाता है।
- मौद्रिक नीति निर्धारण हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) CPI-संयुक्त को एकमात्र मुद्रास्फीति संकेतक के रूप में प्रयोग करना शुरू किया है। इससे पहले, RBI ने सभी नीतिगत उद्देश्यों के लिये मुद्रास्फीति के प्रमुख मापन के रूप में CPI की तुलना में थोक मूल्य सूचकांक (WPI) को अधिक महत्त्व दिया था। अत: कथन 2 सही है।
- 20 फरवरी, 2015 को सरकार और RBI के मध्य मौद्रिक नीति ढाँचे पर हुए समझौते के अनुसार, RBI का मुख्य उद्देश्य मूल्य स्थिरता है और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-संयुक्त CPI-Combined) द्वारा मापित मुद्रास्फीति के लिये लक्ष्य निर्धारित किया जाता है।
- सरकारी कर्मचारियों के लिये महँगाई भत्ता और श्रमिक-नियोक्ता के बीच मज़दूरी अनुबंध उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) पर आधारित है। अत: कथन 3 सही है।
- 66. भारत की क्रय शक्ति समता आधारित सकल घरेलू उत्पाद (PPP-GDP) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये



- 1. PPP-GDP विभिन्न देशों में जीवन की गुणवत्ता की तुलना करता है।
- PPP-GDP के संदर्भ में भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

# उत्तर: (a) व्याख्या:

- 'क्रय शक्ति समता' (PPP) प्रणाली दो देशों में एक समान वस्तुओं एवं सेवाओं को खरीदने के लिये आवश्यक धन की जानकारी प्राप्त कर सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की तुलना करती है एवं उसका प्रयोग कर एक अंतर्निहित विदेशी विनिमय दर की गणना करती है।
- इस पद्धित के अनुसार, एक डॉलर से पूरे विश्व में एक बराबर वस्तुएँ खरीदी जानी चाहिये तथा विनिमय दरों को उसी प्रकार समायोजित किया जाना चाहिये।
- इस पद्धित से बाज़ार आधारित विनिमय दर में आई विकृतियाँ भी हट जाती हैं, जो प्राय: परिवर्तनीय होती है, राजनैतिक एवं वित्तीय कारकों से प्रभावित होती हैं और आय में तुरंत अंतर लाने में असक्षम होती हैं।
- PPP पद्धित आय को कीमतों के अनुसार अनुकूलित करने में सहायता करता है, जिससे कीमतों तथा आय में भारी अंतर वाले देशों के बीच एक सार्थक तुलना की जा सके। अत: कथन 1 सही है।
- PPP एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें डॉलर की तुलना में किसी मुद्रा का 'वास्तविक मूल्य' पता चलता है। भारत का वर्तमान PPP-GDP लगभग \$10.51 ट्रिलियन है और इस मामलें में यह विश्व में तीसरे स्थान पर है। यह सिर्फ संयुक्त राज्य अमेरिका तथा चीन से पीछे है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- \$2.94 ट्रिलियन की नॉमिनल GDP के साथ भारत विश्व में 5वें स्थान पर है।
- 67. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- 1. सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP), सकल घरेलू उत्पाद (GDP) और विदेशों में अर्जित आय का योगफल है।
- 2. एक अर्थव्यवस्था का निवल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) मूल्यहास को घटाने के बाद की परिकलित GDP है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

- सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) एक देश का सकल घरेलू उत्पाद (GDP) है जो विदेशों से अर्जित आय के साथ जोडा जाता है।
  - यहाँ एक अर्थव्यवस्था की सीमा-पार आर्थिक गतिविधियों को भी ध्यान में रखा जाता है।
  - o विदेशों से अर्जित आय में निजी विप्रेषण (Private Remittances), बाह्य ऋणों पर ब्याज (Interest on External Loans) और बाह्य अनुदान (External Grants) शामिल है।
- GNP = GDP + (या -) विदेश से आय। लेकिन भारत के मामले में यह GNP = GDP - 'विदेश से आय' बन जाता है। इसका अर्थ है कि भारत का GNP अपने GDP से हमेशा कम रहता है। अतः कथन 1 सही है।
- किसी अर्थव्यवस्था का शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP) सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) से मूल्यहास के कारण हुए नुकसान को घटाने पर प्राप्त होता है। इसे प्राप्त करने का सूत्र इस प्रकार है:
  - NNP = GNP मूल्यहास या NNP = GDP + विदेशों से प्राप्त आय - मूल्यहास। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- 68. अमीर खुसरो के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-से सही हैं?



- 1. उन्होंने 'सनम' नामक राग बनाया।
- 2. उन्होंने हिंदू और ईरानी प्रणाली को मिलाकर सुगम संगीत की एक शैली, कव्वाली विकसित की।
- 3. सितार के आविष्कार का श्रेय उन्हें दिया जाता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- a. केवल 1 और 2
- b. केवल 1 और 3
- c. केवल 2 और 3
- d. 1, 2 और 3

#### उत्तर: (d) व्याख्या:

- मध्यकालीन भारत में संगीत, कला और साहित्य तेज़ी से विकसित हो रहे थे। अमीर खुसरो (1252-1325 ई.) उस युग के प्रसिद्ध फारसी लेखक थे।
- उन्होंने 'घोर' और 'सनम' जैसे कई नए रागों की रचना की। हिंदू और ईरानी प्रणालियों को मिलाकर कव्वाली नामक सौम्य संगीत की एक नई शैली भी विकसित की।
- उन्हें वाद्य यंत्र सितार के आविष्कार के लिये भी जाना जाता है। अत: कथन 1, 2 और 3 सही हैं।
- 69. वीणा और संतूर निम्नलिखित वाद्ययंत्रों की किस श्रेणी में आते हैं?
- a. तत वाद्य
- b. सुषिर वाद्य
- c. अवनद्ध वाद्य
- d. घन वाद्य

# उत्तर: (a) व्याख्या:

भरत मुनि द्वारा संकलित 'नाट्यशास्त्र' (200 ई.पू. से 200 ई.) में संगीत वाद्ययंत्रों को ध्वनि उत्पन्न करने के आधार पर चार मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया गया है:

- 1. तत वाद्य या कोर्डीफोन्स- तारयुक्त वाद्ययंत्र
  - तत वाद्य, वाद्ययंत्रों की एक श्रेणी है जिसमें तारों में कंपन द्वारा संगीतमय ध्विन उत्पन्न की जाती है। ये कंपन तार को खींचकर या कमान के प्रयोग (Bowing) से पैदा किये जाते हैं। उदाहरणत: वीणा, संतूर, सारंगी,

रावणहस्तवीणा, वायलिन आदि। अत: विकल्प (a) सही है।

- 2. सुषिर वाद्य या एरोफोन्स- वायु वाद्ययंत्र
  - सुषिर वाद्य श्रेणी में, ध्विन खोखले स्तंभ में हवा फुँकने से उत्पन्न होती है। इन उपकरणों में से सबसे प्रसिद्ध बाँसुरी है।
- 3. अवनद्ध वाद्य या मेम्ब्रेनोफोन्स- आघात (ताल) वाद्ययंत्र
  - अवनद्ध वाद्य श्रेणी के उपकरणों में जानवर की मृतखाल, जिसे एक मिट्टी या धातु के बर्तन या लकड़ी के बैरल या फ्रेम में फैलाया जाता है, पर थाप मारकर ध्विन उत्पन्न कराई जाती है। उदाहरण के लिये, तबला, मृदंगम आदि।
- 4. घन वाद्य या इडियोफोन्स- ऐसे ठोस वाद्ययंत्र जिन्हें सुर में लाने (ट्यूनिंग) की ज़रूरत नहीं होती।
  - मनुष्य द्वारा आविष्कार किये गए सबसे शुरुआती वाद्ययंत्रों को घन वाद्य कहा जाता है। वे बजने में मुख्य रूप से लयबद्ध होते हैं और लोक तथा जनजातीय संगीत एवं नृत्य में साथ देने के लिये सबसे उपयुक्त हैं। उदाहरण के लिये, झाँज वाद्य।
- 70. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - 1. हिंदुस्तानी संगीत कृति आधारित है जबिक कर्नाटक संगीत राग आधारित है।
  - 2. हिंदुस्तानी संगीत शुद्ध स्वरों पर ज़ोर देता है, जबिक कर्नाटक में दो स्वरों के बीच गमक पर बल दिया जाता है।
  - 3. वाद्य यंत्र के रूप में हिंदुस्तानी संगीत में सारंगी जबकि कर्नाटक संगीत में वायलिन का प्रमुखता से उपयोग होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. 1, 2 और 3
- b. केवल 2 और 3
- c. केवल 3
- d. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (b) व्याख्या:

भारतीय संगीत को हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत में विभाजित किया जाता है। हिंदुस्तानी और कर्नाटक प्रणालियों के बीच मुख्य अंतर हैं:



- एक संगीत शैली के तीन घटक भाव, राग और ताल हैं। कृति कर्नाटक संगीत में सबसे व्यापक रूप से प्रयोग की जाने वाली शैलियों में से एक है। हिंदुस्तानी संगीत राग आधारित है जबिक कर्नाटक कृति-आधारित है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- कृति (काम या रचना) का तात्पर्य संस्कृत या क्षेत्रीय भाषा में रचित गीतों से है। कृति पाठ, माधुर्य और लय का सुरुचिपूर्ण मिश्रण है। यह कर्नाटक संगीत में सबसे व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली विधाओं में से एक है। राग एक धुन, माधुर्य, पैमाना या विधा नहीं है बल्कि विभिन्न विशेषताओं का संयोजन है।
  - कृति कीर्तन से विकसित हुआ रूप है। यह अत्यंत विकसित संगीत शैली है जिसमें सौन्दर्य उत्कृष्टता की उच्चतम सीमा प्रस्तुत की जाती है। इस शैली में सभी समृद्ध और विविध रागभावों को प्रस्तुत किया जाता है।
  - पल्लवी, अनुपल्लवी एवं चर्णम कृति के न्यूनतम और अनिवार्य अंग है।
  - पहले पल्लवी गाया जाता है, उसके बाद अनुपल्लवी तथा पल्लवी के साथ समापन होता है। उसके बाद चरनम् गाया जाता है तथा उसे समाप्त करने से पहले पल्लवी के साथ जोड़ा जाता है।
  - कृति के रूप में निबद्ध संगीत के क्षेत्र में कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति का योगदान स्मरणीय है।
- गमक मूल रूप से दोलन हैं जिसे संगीतकार संगीत को और अधिक रोचक बनाने के लिये संगीत स्वर में जोड़ता है। हिंदुस्तानी संगीत शुद्ध स्वरों पर ज़ोर देता है, जबिक कर्नाटक गमका पर आधारित है। अतः कथन 2 सही है।
- सारंगी हिंदुस्तानी संगीत में प्रयुक्त होने वाला एक वाद्य यंत्र है, जबिक वायिलन कर्नाटक संगीत शैली में प्रयोग किया जाता है। अतः कथन 3 सही है।

- 71. 'भरतनाट्यम' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - यह ईश्वर के आशीर्वाद के लिये की जाने वाली स्तुति 'मंगलम्' से शुरू होता है।
  - 2. यह तमिलनाडु की शास्त्रीय नृत्य कला है।
  - 3. उन्नीसवीं शताब्दी की 'तंजीर चौकड़ी' (Tanjore Quartet) इससे संबंधित है।

- a. केवल 1
- b. केवल 1 और 3
- c. केवल 2 और 3
- d. 1, 2 और 3

- भरतनाट्यम तिमलनाडु की दो हज़ार वर्ष पुरानी शास्त्रीय नृत्य कला है। अत: कथन 2 सही है।
- नंदिकेश्वर रिवत 'अभिनयदर्पण' को भरतनाट्यम नृत्य की तकनीक तथा शरीर की मुद्रा संबंधी पाठ्य-सामग्री के मुख्य स्रोतों में से एक माना गया है।
- भरतनाट्यम 'एकाहार्य' के तौर पर जाना जाता है, जिसमें एक नर्तक एक ही नृत्य के दौरान कई भूमिकाएँ निभाता है।
  - भरतेनाट्यम की प्रस्तुति 'तिल्लाना'
     से समाप्त होती है, जिसका उद्गम हिंद्स्तानी संगीत के 'तराना' में है।
  - एक प्रस्तुति का समापन अच्छे से तैयार की गई लयबद्ध रेखाओं की शृंखला से पहुँचे शिखर पर होता है। ईश्वर के आशीर्वाद के लिये की जाने वाली स्तुति 'मंगलम्' के साथ प्रस्तुति का समापन होता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- साथ देने वाले कलाकार समूह में एक गायक, एक मृदंगम वादक, वायिलन वादक या वीणा वादक, एक बाँसुरी वादक और एक माँजीरा वादक शामिल होते हैं।
- नृत्य के लिये गायन करने वाले व्यक्ति को 'नट्टुवानर' कहते हैं।



- 'तंजौर चौकड़ी' के नाम से सुप्रसिद्ध तंजौर के चार भाइयों पोन्निआह, चिन्निआह, शिवानंदम तथा विडवेलु ने 19वीं शताब्दी में लोक नृत्य भरतनाट्यम को सुव्यवस्थित प्रस्तुति के रूप में संहिताबद्ध किया।
  - वे तंजौर के वृहदेश्वर मंदिर वंशावली से संबंध रखते थे। उन्हें राजा सर्फोजी द्वारा संरक्षण प्रदान किया गया था। इस प्रकार, यह भरतनाट्यम नृत्य से संबंधित है। अत: कथन 3 सही है।
- 72. यह वैष्णव मठों में प्रदर्शित की जाने वाली एक जीवंत नृत्य परंपरा है। यह हस्त मुद्रा, पद संचलन, संगीत आदि के संबंध में निर्धारित कठोर सिद्धांतों द्वारा शासित है। महापुरुष शंकरदेव ने 15वीं शताब्दी में इस नृत्य रूप की शुरुआत की थी। यह नृत्य शैली है:
- a. सत्रिया नृत्य
- b. ओडिसी
- c. मणिपुरी
- d. मोहिनीअट्टम

#### उत्तर: (a) व्याख्या:

- सित्रया नृत्य की उत्पत्ति देश के पूर्वी राज्य असम में हुई। इसे 15वीं शताब्दी में असम के महान वैष्णव संत और सुधारक शंकरदेव ने इसकी शुरुआत की थी।
- यह नृत्य शैली एक जीवंत परंपरा है और इसे सत्र कहे जाने वाले वैष्णव मठों में कई शताब्दियों से आनुष्ठानिक प्रदर्शन के रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा है। यह असम में भक्ति आंदोलन से उत्पन्न विभिन्न परंपराओं का परिणाम है।
- इसमें हस्तमुद्राओं, पदमुद्राओं, संगीत आदि के संबंध में कठोर नियमों का पालन किया जाता है।
- इसके धार्मिक चरित्र और सत्रों के साथ संबंध के कारण इसे सित्रया नाम दिया गया है।

73. हाल ही में समाचारों में देखा गया 'व्योम मित्र' क्या संदर्भित करता है?

- a. भारत, श्रीलंका और मालदीव के बीच त्रिपक्षीय सैन्य अभ्यास।
- b. कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित एक मोबाइल एप।
- c. इसरो द्वारा विकसित अर्द्ध-मानव रोबोट।
- d. मौसम पूर्वानुमान के लिये IMD का उपग्रह। उत्तर: (c) व्याख्या:
  - भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (Indian Space and Reaserch Oganisation- ISRO) ने मानवयुक्त गगनयान मिशन हेतु एक अर्द्ध-मानवीय (Half-Humanoid) रोबोट 'व्योममित्र' को लॉन्च किया है।
  - 22 जनवरी को बंगलूरू में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO), इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ एस्ट्रोनॉटिक्स (IAA) और एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (ASI) के पहले सम्मलेन में इसरो द्वारा निर्मित इस अर्द्ध-मानवीय महिला रोबोट ने अपना परिचय दिया। अत:विकल्प (c) सही है।
    - दिसंबर 2021 के अपने बहुप्रत्याशित कार्यक्रम 'गगनयान मिशन' से पहले इसरो प्रायोगिक रूप से दो मानवरहित गगनयान अंतरिक्ष में भेजेगा।
    - ं इसरो इन दो मानवरहित कार्यक्रमों में चालक दल के सदस्यों के स्थान पर अर्द्ध-मानव (Half-Humanoid) व्योममित्र को अंतरिक्ष में भेजेगा।
    - यह महिला रोबोट अंतिरक्ष में इंसानों की तरह काम करेगी और जीवन प्रणाली की संरचना पर नज़र रखेगी।
  - 'व्योमिनत्र' शब्द संस्कृत भाषा के दो शब्दों
     'व्योम' और 'मित्र' से मिलकर बना है,
     जिसका अर्थ क्रमश: अंतिरक्ष एवं मित्र है।
  - इसरो द्वारा विकसित अर्द्ध-मानव (Half-Humanoid) का यह प्रोटोटाइप (Prototype) एक महिला रोबोट है।



- इसे हाफ-ह्यूमनॉइड (Half-Humanoid) इसलिये कहा जा रहा है क्योंकि इसके पैर नहीं हैं, यह सिर्फ आगे (Forward) और अगल-बगल (Sides) में झुक सकती है।
- व्योमित्र रोबोट को मानवीय गतिविधियों को समझने और उन पर प्रतिक्रिया देने के लिये सेंसर, कैमरा, स्पीकर, माइक्रोफोन और एक्चुएटर्स जैसी तकनीकी से सुसज्जित किया गया है।
- 74. प्राय: समाचारों में उल्लेखित किया जाने वाल 'लोकतंत्र सूचकांक' किसके द्वारा जारी किया जाता है?
- a. इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट
- b. वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम
- c. एमनेस्टी इंटरनेशनल
- d. ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल

उत्तर: (a) व्याख्या:

- लोकतंत्र सूचकांक इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (Economist Intelligence Unit) द्वारा जारी किया जाता है। हाल ही में जारी इस सूचकांक में भारत 10 स्थान की गिरावट के साथ 51वें स्थान पर रहा। वर्ष 2018 में भारत 41वें स्थान पर था।
- यह वैश्विक सूचकांक 165 स्वतंत्र देशों और दो क्षेत्रों (Territories) में लोकतंत्र की मौजूदा स्थिति को प्रदर्शित करता है।
- यह सूचकांक पाँच पैमानों पर आधारित है-
  - 1. चुनाव प्रक्रिया और बहुलतावाद (Electoral Process and Pluralism)
  - 2. सरकार की कार्यशैली (The Functioning of Government)
  - 3. राजनीतिक भागीदारी (Political Participation)
  - 4. राजनीतिक संस्कृति (Political Culture)
  - 5. नागरिक आज़ादी (Civil libertie)

- 75. केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (CARA) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - यह गृह मंत्रालय के तहत एक सांविधिक निकाय है।
  - 2. यह केवल देश में दत्तक ग्रहण प्रक्रियाओं की निगरानी और विनियमन हेतु अधिदेशित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c) व्याख्या:

- केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण (Central Adoption Resource Authority -CARA) महिला और बाल विकास मंत्रालय के अधीन एक सांविधिक निकाय के रूप में स्थापित किया गया है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह भारतीय बच्चों के दत्तक ग्रहण के लिये एक नोडल निकाय के रूप में कार्य करता है। इसे देश में तथा अंतर्देशीय दोनों स्तरों पर दत्तक ग्रहण की निगरानी और विनियमन का अधिदेश दिया गया है। अत: कथन 2 सही नहीं है।

76. हाल ही में समाचारों में देखा गया के9 वज्र-टी (K9 VAJRA-T) क्या है?

- a. एक स्वचालित होवित्जर।
- b. नौसेना का स्वदेशी रूप से विकसित एक हल्का लड़ाकू विमान।
- c. सेनों की अंडरवाटर असॉल्ट राइफल।
- d. गगनयान मिशन के लिये रॉकेट लांचर। उत्तर: (a)

# व्याख्या:

 के9 वज्र-टी 155 मिमी./52-कैलिबर की एक स्वचालित होवित्जर (कम वेग के साथ उच्च प्रक्षेपण पथ पर गोले दागने के लिए एक छोटी बंद्रक) टैंक है। यह दक्षिण



- कोरिया के K9 थंडर (K9 Thunder) की तरह है।
- यह लक्ष्य पर तेज़ गित से निशाना लगाता है और यह भारतीय एवं उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (NATO) के गोला-बारूद मानकों के अनुकूल है।
  - के9 वज्र-टी को रक्षा खरीद प्रक्रिया (Defence Procurement Procedure- DPP) के 'बाय ग्लोबल' (Buy Globa)' कार्यक्रम के तहत विकसित किया गया है, जहां विदेशी कंपनियों को भाग लेने की अनुमति है।
  - के9 वज्र-टी को विकसित करने में दक्षिण कोरिया की हन्व्हा टेकविन (Hanwha Techwin) की लार्सन एंड टुब्रो (L&T) के साथ प्रौद्योगिकी भागीदारी है।
- 77. यदि सरकार द्वारा कोई वस्तु जनता को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है, तो:
- a. विकल्प लागत शून्य होती है।
- b. विकल्प लागत की उपेक्षा की जाती है।
- c. विकल्प लागत उत्पाद के उपभोक्ता से, कर देने वाली जनता को अंतरित दिया जाता है।
- d. विकल्प लागत को उत्पाद के उपभोक्ता के शासन को अंतरित कर दिया जाता है। उत्तर: (c)

## व्याख्याः

- विकल्प लागत उन लाभों का प्रतिनिधित्व करती है जो एक व्यक्ति, निवेशक या व्यवसाय खो देता है जब वह किसी विकल्प को अन्य विकल्पों को प्राथमिकता देता है। अर्थात् एक विकल्प या अवसर का चयन करने पर त्यागे गए विकल्प या अवसर की लागत ही अवसर लागत कहलाती है।
- यदि सरकार द्वारा कोई वस्तु जनता को निःशुल्क उपलब्ध कराई है, तो उपभोक्ता के अन्य उपलब्ध विकल्पों के स्थान पर एक विशिष्ट उत्पाद को चुनने की विकल्प लागत को लाभ प्राप्तकर्त्ता से कर दाता को अंतरित कर दिया जाता है।

 यदि सरकार कोई वस्तु निःशुल्क उपलब्ध कराती है, तो उसके लिये भुगतान की गई राशि सरकार द्वारा वहन की जाती है, जो बदले में कर प्राप्ति से होने वाली कमाई पर निर्भर करती है। अतः विकल्प (c) सही है।

78. मौद्रिक नीति समिति (MPC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- यह RBI की मानक (बेंचमार्क) ब्याज दरों का निर्धारण करती है।
- यह एक 12 सदस्यीय निकाय है जिसमें RBI के गवर्नर शामिल है तथा प्रत्येक वर्ष इसका पुनर्गठन किया जाता है।
- 3. यह केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में कार्य करती है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- a. केवल 1
- b. केवल 1 और 2
- c. केवल 3
- d. केवल 2 और 3

उत्तर: (a) व्याख्या:

- विकास के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु वैधानिक और संस्थागत व्यवस्था स्थापित करने हेतु वित्त अधिनियम, 2016 द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (RBI अधिनियम) में संशोधन के माध्यम से मौद्रिक नीति समिति (MPC) का गठन किया गया क।
- MPC को निर्दिष्ट लक्ष्य स्तर के अंतर्गत मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिये आवश्यक बेंचमार्क नीति दर (रेपो दर) को निर्धारित करने का काम सौंपा दिया गया है। अतः कथन 1 सही है।
- प्रावधानों के अनुसार, MPC की बैठकें वर्ष में कम-से-कम 4 बार आयोजित की जाएगी और यह प्रत्येक बैठक के बाद अपने निर्णयों को प्रकाशित करेगी। RBI अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, यह छह सदस्यीय समिति होगी जिसमें से तीन सदस्य RBI से होते हैं और MPC के अन्य तीन सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। अतः कथन 2 सही नहीं है।



- RBI का गवर्नर MPC का पदेन अध्यक्ष होता है, न कि केंद्रीय वित्त मंत्री। अतः कथन 3 सही नहीं है।
- 79. 'मंगानियार' नाम से जाना जाने वाला लोगों का एक समुदाय प्रसिद्ध है:
- a. पूर्वोत्तर भारत में मार्शल आर्ट के लिये
- b. उत्तर-पश्चिम भारत में संगीत परंपरा के लिये
- c. दक्षिण भारत में शास्त्रीय गायन संगीत के लिये
- d. मध्य भारत में पच्चीकारी परंपरा के लिये उत्तर: (b)
- व्याख्या :

   थार रेगिस्तान और आस-पास के इलाकों के मांगणियार मुस्लिम समुदाय वंशानुगत संगीतकारों के रूप में प्रसिद्ध है जिन्हें पारंपरिक रूप से अभिजात और स्थानीय जमीं दारों द्वारा संरक्षण दिया जाता था।
  - संगीत के उनके विषयों में स्थानीय लड़ाइयों, होली और दिवाली के हिंदू त्योहारों और उनके संरक्षक और उनके परिवार की प्रशंसा आदि शामिल है। अत: विकल्प (b) सही है।
- 80. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

## परंपराएँ समुदाय

- 1. चलिहा साहिब उत्सव सिंधियों का
- 2. नंदा राज जात यात्रा गोंडों का
- 3. वारी-वारकरी संथालों का उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?
- a. केवल 1
- b. केवल 2 और 3
- c. केवल 1 और 3
- d. इनमें से कोई भी नहीं

#### उत्तर: (a) व्याख्या:

- चिलहा साहिब सिंधियों का त्योहार है। इस त्योहार में भक्त 40 दिनों तक उपवास करते हैं। यह सिंध (अब पाकिस्तान में) में प्रारंभ हुआ था। लोग भगवान झूलेलाल से प्रार्थना करते हैं और प्रसाद चढ़ाते हैं। अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।
- नंदा देवी राज जात यात्रा 15वीं शताब्दी से प्रचलित सबसे कठिन तीर्थयात्राओं में से एक

है। हर 12 वर्ष में आयोजित होने वाली इस यात्रा में घने जंगलों से लेकर ग्लेशियरों तक की कई अलग-अलग स्तरों की कठिन 280 किमी. का ट्रेक शामिल होता है।

- यह उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्रों के लोगों द्वारा मनाया जाने वाला त्योहार है। भाद्रपद (अगस्त-सितंबर के महीने) के दौरान आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य नंदा देवी की उनके मायके से उनके पित के निवास स्थान तक की यात्रा का उत्सव मनाना है।
- गोंड एक आदिवासी समुदाय है जो ज्यादातर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के राज्यों में पाया जाता है। अतः युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।
- वारी महाराष्ट्र में हिंदू भगवान विठोबा के सम्मान में पंढरपुर पीठ की वार्षिक तीर्थयात्रा है। वारकरी संप्रदाय के विभिन्न संतों ज्ञानेश्वर और तुकाराम की पादुका (पदछाप) ले जाने वाली पालकियों को उनके संबंधित मंदिरों से पंढरपुर ले जाया जाता है। यह परंपरा 700-800 वर्षों से भी अधिक पुरानी है।.
  - संथाल पूर्वी राज्यों बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में अधिवासित जनजातीय समुदाय हैं।
     अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।
- 81. आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय सिमिति (CCEA) ने कृषि-बाज़ार अवसंरचना कोष के सृजन को स्वीकृति प्रदान की है। इसके संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये
  - 1. इस कोष का उपयोग किसानों को उनकी उपज के भंडारण के लिये रियायती दर पर ऋण प्रदान करने हेतु किया जाएगा।
- 2. कोष का प्रबंधन नाबार्ड द्वारा किया जाएगा। उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
- a. केवल 1



- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

#### उत्तर: (b) व्याख्या:

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) द्वारा कृषि-बाज़ार अवसंरचना कोष (AMIF) की स्थापना हेतु 2,000 करोड़ रुपए के कोष को मंज़ूरी प्रदान की गई है। इस कोष का प्रबंधन नाबार्ड द्वारा किया जाएगा। अत: कथन 2 सही है।
- इस कोष का उपयोग किसानों को ऋण प्रदान करने के लिये नहीं बल्कि ग्रामीण और विनियमित थोक बाज़ारों में कृषि विपणन बुनियादी ढाँचे के विकास और उन्नयन के लिये किया जाएगा। यह 585 कृषि उपज बाज़ार समितियों (APMC), मंडियों और 10,000 ग्रामीण कृषि बाज़ारों (जी.आर.ए.एम.) के लिये राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रियायती ऋण प्रदान करेगा। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- 82. निम्नलिखित में से किस पंचवर्षीय योजना के दौरान मिड डे मील योजना शुरू की गई थी?
- a. 8वीं पंचवर्षीय योजना
- b. 9वीं पंचवर्षीय योजना
- c. 10वीं पंचवर्षीय योजना
- d. 11वीं पंचवर्षीय योजना

#### उत्तर: (a) व्याख्या:

- मिड डे मील/मध्याह्न भोजन योजना वर्ष 1995 में (8वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान) प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों के नामांकन, प्रतिधारण और भागीदारी को बढ़ाने के साथ ही उनकी पोषण स्थिति में सुधार के लिये शुरू की गई थी। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है। अत: विकल्प (a) सही है।
- 83. नीति आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - 1. इसका गठन केंद्रीय मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव के माध्यम से किया गया।
  - 2. यह सहकारी संघवाद को बढ़ावा देता है।

3. भारत का राष्ट्रपति इसका पदेन अध्यक्ष होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 2
- b. केवल 1 और 2
- c. 1, 2 और 3
- d. उपरोक्त में से कोई नहीं

#### उत्तर: (b) व्याख्या:

- राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्था (नीति आयोग)
   का गठन 1 जनवरी, 2015 को केंद्रीय मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव के माध्यम से किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- यह भारत सरकार का प्रमुख नीतिगत 'विचार मंच' है, जो दिशात्मक और नीतिगत दोनों प्रकार के सहयोग प्रदान करता है। भारत सरकार के लिये रणनीतिक और दीर्घकालिक नीतियों और कार्यक्रमों को डिज़ाइन करते समय, नीति आयोग केंद्र एवं राज्यों को उपयुक्त तकनीकी सलाह भी प्रदान करता है।
- इसका गठन भारत के नागरिकों की ज़रूरतों और आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिये किया गया था। राष्ट्रीय हित में राज्यों के एक साथ काम करने के लिये यह भारत सरकार के सर्वोत्कृष्ट मंच के रूप में कार्य करता है, इस प्रकार यह सहकारी संघवाद को बढ़ावा देता है। अत: कथन 2 सही है।
- नीति आयोग की अध्यक्षता प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है, न कि राष्ट्रपति द्वारा। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- 84. विश्व व्यापार संगठन (WTO) के अंतर्गत सबसे पसंदीदा राष्ट्र (MFN) का दर्जा दिये जाने के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - 1. जब किसी देश को MFN का दर्जा दिया जाता है तो उसे टैरिफ और कोटा के संदर्भ में श्रेष्ठ दर्जा दिया जाता है।
  - 2. विश्व व्यापार संगठन किसी देश को MFN का दर्जा केवल विकासशील देशों को प्रदान करने की अनुमित देता है।



उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d) व्याख्या:

## सबसे पसंदीदा राष्ट्र (मोस्ट फेवर्ड नेशन/MFN)

- व्यापार एवं प्रशुक्क पर सामान्य समझौता (GATT), 1994 के अनुच्छेद 1 के तहत विश्व व्यापार संगठन (WTO) के सभी सदस्य देशों से अन्य सभी सदस्य देशों (केवल विकासशील देश ही नहीं) को सबसे पसंदीदा राष्ट्र/मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा (या टैरिफ और व्यापार बाधाओं के संबंध में अधिमान्य व्यापार शर्तें) देने की अपेक्षा की जाती है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- तदनुसार, मारकेश समझौते, जिसके तहत WTO की स्थापना हुई, में अपने प्रवेश के दिन से ही भारत ने पाकिस्तान सहित सभी विश्व व्यापार संगठन के अन्य सदस्य देशों को MFN का दर्जा प्रदान किया। बार-बार किये गए वादों के बावजूद, पाकिस्तान ने भारत को कभी भी MFN का दर्जा नहीं दिया है।
- ऐसा प्रतीत होता है कि MFN का दर्जा अधिमान्य व्यवहार (Preferential Treatment) की सुविधा प्रदान कराता है, लेकिन यह केवल गैर-भेदभावपूर्ण व्यापार को सुनिश्चित करता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- यह सुनिश्चित करता है कि MFN का दर्जा प्राप्त करने वाले देश को अन्य व्यापार भागीदारों की तुलना में किसी भी नुकसानदेह स्थिति से बचाया जाए।
- विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुसार, आमतौर पर देश अपने व्यापारिक भागीदारों के बीच भेदभाव नहीं कर सकते हैं।
- यदि किसी देश को व्यापार में रियायत दी जाती है जैसे कि कम आयात शुल्क, तो विश्व व्यापार संगठन के सभी सदस्यों को समान रियायतें दी जानी चाहिये।

- इस सिद्धांत को सबसे पसंदीदा राष्ट्र आचरण के रूप में जाना जाता है। इसलिये, MFN एक गैर-भेदभावपूर्ण व्यापार नीति है क्योंकि यह अनन्य व्यापार विशेषाधिकारों के बजाय WTO के सभी सदस्य देशों के बीच समान व्यापार सुनिश्चित करता है।
- 85. नई ई-कॉमर्स नीति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - इसने एक नया ई-कॉमर्स नियामक स्थापित किया है।
  - 2. इसके अनुसार, जिन विक्रेताओं की ई-कॉमर्स कंपनी में कोई हिस्सेदारी है, वे अपने उत्पादों को उस ई-कॉमर्स कंपनी के पोर्टल पर नहीं बेच सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b) व्याख्या:

- ई-कॉमर्स (ऑनलाइन व्यापार) कंपनियाँ भारत में दो अलग-अलग मॉडलों के अंतर्गत काम कर सकती हैं।
- पहला मार्केटप्लेस मॉडल है जहाँ ई-कॉमर्स कंपनी केवल एक प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करती है जो खरीदारों और विक्रेताओं को जोड़ती है। इस मॉडल में ई-कॉमर्स कंपनियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) की अनुमति है।
- दूसरा मॉडल इन्वेंट्री (सामान/स्टॉक)
   आधारित है जहाँ पोर्टल पर बेचे जाने वाले सामानों की सूची ई-कॉमर्स कंपनी के स्वामित्व या नियंत्रण में होती है। इस मॉडल के अंतर्गत FDI की अनुमित नहीं है।
  - अमेज़न और फिलपकार्ट जैसी बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियाँ, इन्वेंट्री का मालिक नहीं होने के बावजूद, अपने समूह की कंपनियों जैसे क्लाउडटेल और WS रिटेल को क्रमश: एक मंच प्रदान कर रही हैं। इसे पक्षपाती नज़रिये के रूप में



देखा जाता है, विशेषकर उस स्थिति में जब इन विक्रेताओं ने ई-कॉमर्स कंपनी से दूसरों की अपेक्षा विशेष लाभ प्राप्त किया हो। ये नियंत्रित या स्वामित्व वाले विक्रेता ग्राहकों को ऐसी छूट प्रदान करने में सक्षम हो सकते हैं जो प्रतिद्वंदियों द्वारा नहीं प्रदान की जा सकती है।

- औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग ने ई-कॉमर्स कंपनियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से संबंधित मौजूदा नियमों पर एक स्पष्टीकरण जारी किया है।
- नई ई-कॉमर्स नीति की मुख्य विशेषताओं में निम्नलिखित प्रावधान शामिल हैं:
  - वे विक्रेता जिनकी किसी भी ई-कॉमर्स कंपनी में कोई हिस्सेदारी है, वे उस ई-कॉमर्स कंपनी के पोर्टल पर अपने उत्पाद नहीं बेच सकते।
     अत: कथन 2 सही है।
  - किसी ई-कॉमर्स समूह की कंपनी से 25 प्रतिशत या अधिक सामान (स्टॉक) खरीदने वाले विक्रेता को उस ई-कॉमर्स कंपनी द्वारा नियंत्रित माना जाएगा और इस तरह इसके पोर्टल पर बिक्री पर रोक लगा दी जाएगी।
  - ई-कॉमर्स कंपनी को किसी विक्रेता विशेष को लाभ देकर अपने पोर्टल पर बेचे जाने वाले किसी उत्पाद के मूल्य को प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- यह नई नीति ई-कॉमर्स संस्थाओं के लिये एक नियामक की स्थापना नहीं करती है।
   अत: कथन 1 सही नहीं है।
- 86. वर्ष 1991 के आर्थिक सुधार के दौरान भारत को ऋण देने के लिये अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा निम्नलिखित में से कौन-सी शर्तें रखी गई थीं?
  - 1. रुपए का अवमूल्यन
  - 2. शीर्ष आयात शुल्क में भारी कमी
  - 3. उत्पाद शुल्क में वृद्धि

- 4. सभी सरकारी व्ययों में कमी नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:
- a. केवल 1, 2 और 4
- b. केवल 1, 2 और 3
- c. केवल 2 और 4
- d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d) व्याख्या:

वर्ष 1991 के आर्थिक सुधार के दौरान भारत को ऋण देने के संदर्भ में आई.एम.एफ. (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) की शर्तें निम्नानुसार थीं:

- रुपए का 22% तक अवमूल्यन (जो दो चरणों में प्रभावी हुआ और भारतीय रुपया 21 रुपए से घटकर 27 रुपया प्रति अमेरिकी डॉलर हो गया)।
- शीर्ष आयात शुल्क को 130% के मौजूदा स्तर से कम कर 30% तक करना (भारत ने इसे वर्ष 2000-2001 तक पूरा किया और अब यह स्वैच्छिक रूप से 15% के स्तर तक घट गया है)
- सीमा शुल्क में कटौती के परिणामस्वरूप राजस्व की कमी की क्षतिपूर्ति हेतु उत्पाद शुल्क (वर्तमान में CENVAT) में 20% की वृद्धि (भारतीय कर व्यवस्था जो अभी भी चालू है, उसे सरल एवं आधुनिक बनाने के लिये एक प्रमुख कर सुधार कार्यक्रम शुरू किया गया था)।
- सभी सरकारी व्ययों में 10 फीसदी की वार्षिक कटौती (अर्थात् सरकार चलाने की लागत में कटौती करना और निधियों, ब्याज, भुगतान, पेंशन पी.एफ. और सब्सिडी को समाप्त करना, सरकार पर राजकोषीय समेकन और राजकोषीय मितव्ययिता पर कार्य करने का दबाव)। अतः विकल्प (d) सही है।
- 87. हरित क्रांति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - हरित क्रांति के पहले चरण में उच्च उपज बीजों के उपयोग से मुख्य रूप से केवल गेहूँ उत्पादक क्षेत्र लाभान्वित हुए।



2. हरित क्रांति प्रौद्योगिकी के प्रसार ने भारत को खाद्यान्नों के मामलें में आत्मनिर्भर बनाया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

#### उत्तर: (d) व्याख्या:

- औपनिवेशिक शासन के दौरान कृषि में आए ठहराव को हरित क्रांति ने स्थायी रूप से समाप्त किया, जिसने विशेष रूप से गेहूँ और चावल के लिये उच्च उपज वाली किस्म (High Yielding Variety-HYV) के बीजों के उपयोग से खाद्यान्न उत्पादन में अप्रत्याशित वृद्धि को जन्म दिया।
- हरित क्रांति के पहले चरण (लगभग 1960 के दशक के मध्य से 1970 के दशक के मध्य तक) में उच्च उपज बीजों का प्रयोग पंजाब, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे अधिक समृद्ध राज्यों तक ही सीमित रहा।

 इसके अलावा, HYV बीजों के उपयोग से मुख्यतः केवल गेहूँ उत्पादक क्षेत्रों को लाभ हुआ।

- हरित क्रांति के दूसरे चरण (1970 के दशक के मध्य से 1980 के दशक के मध्य तक) में, HYV प्रौद्योगिकी कई राज्यों में फैल गई और विभिन्न फसलों को लाभान्वित किया। हरित क्रांति प्रौद्योगिकी के प्रसार ने भारत को खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में सक्षम बनाया; भारत अब अपनी खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये अमेरिका या किसी अन्य राष्ट्र की कृपा पर निर्भर नहीं रहा। अत: विकल्प (d) सही है।
- 88. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में पाल चित्रकला शैली विकसित हुई?
- a. मगध क्षेत्र
- b. दक्कन क्षेत्र
- c. कच्छ क्षेत्र
- d. उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (a)

#### व्याख्या:

- पाल राजवंश ने 750 ईसा पूर्व में शासन किया था। पाल चित्रकला शैली सर्वप्रथम बौद्ध धर्म के जन्म-स्थल, दक्षिणी बिहार के मगध क्षेत्र में विकसित हुई।
- पाल राजवंश के प्रारंभिक काल के अधिकांश अवशेष बौद्ध धर्म से संबंधित हैं। पाल शासनकाल के दौरान तीव्र धार्मिक गतिविधि के कारण कई धार्मिक संरचनाएँ बनाई गई थीं या उनका नवीकरण किया गया था।
- इस दौरान, पहले से स्थापित कई मठ और धार्मिक स्थल महत्त्वपूर्ण स्थलों के रूप में उभरे। यद्यपि, पाल चित्रकला के पहले दो सौ या उससे अधिक वर्षों तक बौद्ध कला का प्रभुत्व था, तथापि उस चरण में कुछ मात्रा में हिंदू अवशेष भी देखने को मिलते हैं। पाल राजवंश के अंतिम दो सौ वर्षों के दौरान तो इसका प्रभुत्व स्पष्ट रूप से दिखता है। अत: विकल्प (a) सही है।
- 89. कांस्य-ढलाई (Bronze-Casting) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये
  - हड्प्पावासियों द्वारा कांस्य-ढलाई का कार्य वृहद् स्तर पर किया जाता था।
  - 2. इस कार्य में 'लुप्त मोम' प्रक्रिया जैसी विशिष्ट तकनीक का प्रयोग किया जाता था।
  - 3. चोल काल की नटराज मूर्ति कांस्य-ढलाई का एक उदाहरण है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. 1, 2 और 3
- b. केवल 2 और 3
- c. केवल 3
- d. उपरोक्त में से कोई नहीं

#### उत्तर: (a) व्याख्या:

- हड़प्पावासियों द्वारा वृहद् स्तर पर कांस्य-ढलाई का कार्य किया जाता था। अत: कथन 1 सही है।
- यह कला सिंधु घाटी सभ्यता के सभी प्रमुख केंद्रों में लोकप्रिय थी।
- कांस्य-मूर्ति का निर्माण मुख्य रूप से 'लॉस्ट वैक्स' (लुप्त मोम) तकनीक का उपयोग



करके किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।

- 'लुप्त मोम' प्रक्रिया में कई चरण शामिल होते हैं।
  - इस तकनीक के अंतर्गत, पहले हाथ से छवि का मोम प्रतिरूप (प्रतिमा) तैयार किया जाता है। मोम का यह प्रतिरूप मधुमिक्खयों से निर्मित शुद्ध मोम से बनाया जाता है जिसे पहले आग में पिघलाया जाता है और फिर एक महीन कपड़े से ढाककर ठंडे पानी के पात्र में डाला जाता है। यह प्रतिरूप तुरंत ठोस अवस्था में परिवर्तित हो जाता है।
  - ठोस संरचना को फिर पिचकी के माध्यम से दबाया जाता है जिससे मोम तार/धागे के आकार में आ जाता है। मोम के इन तारों को फिर छवि के चारों ओर लपेटा जाता है।
  - इसके बाद मिट्टी, रेत और गोबर के लेप की मोटी परत प्रतिमा के चारों ओर लगाते हैं। इसके एक खुले सिरे पर मिट्टी का प्याला बना दिया जाता है। इसमें पिघली हुई धातु डाली जाती है।
  - उपयोग की जाने वाली धातु का वज़न प्रयक्तु मोम से दस गुना अधिक रखा जाता है। अधिकांशतः यह धात दुूटे हुए बर्तनों को पिघलाकर बनाई गई होती है।
  - जब मिट्टी के प्याले में पिघली हुई धात उड़ेलते हैं, उस समय मिट्टी से ढके सांचे को आग पर रखे रहने देते हैं।
  - जैसे ही अदंर की मोम पिघलती है, धातु नालिकाओ में नीचे की ओर बहती है और मोम की प्रतिमा का आकार ले लेती है।
- चोल काल में उच्च-गुणवत्ता वाली अनेक कांस्य मूर्तियों का निर्माण किया गया जिनमें से कुछ आज भी सुरक्षित हैं। शिव को नृत्य

के ईश्वर रूप में प्रस्तुत करती चोल काल की नटराज प्रतिमा कांस्य-ढलाई का एक उदाहरण है, यह चोल काल में कला के उत्कर्ष का विवरण प्रस्तुत करती है। अत: कथन 3 सही है।

- 90. श्रवणबेलगोला स्थित भगवान बाहुबली (गोम्मतेश्वर) की प्रतिमा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
  - इसे भगवान बुद्ध का तीसरा अवतार माना जाता है।
  - 2. यह विश्व की सबसे ऊँची मुक्त रूप से खड़ी एकाश्म संरचना है।
  - 3. यह इस क्षेत्र में बहुतायत में पाए जाने वाले लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2 और 3
- c. केवल 1 और 3
- d. केवल 2

उत्तर: (d) व्याख्या:

- कर्नाटक के श्रवणबेलगोला में गोम्मतेश्वर स्थान पर भगवान बाहुबली की प्रतिमा जैन मूर्तिकला का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है। भगवान बाहुबली जैन धर्म के पहले तीर्थंकर ऋषभनाथ के पुत्र थे। अत: कथन 1 सही नहीं है।
- ग्रेनाइट से निर्मित यह मूर्ति अठ्ठारह मीटर या सत्तावन फुट ऊँची है। अत: कथन 3 सही नहीं है।
- यह विश्व की सबसे ऊँची मुक्त रूप से खड़ी एकाश्म संरचना है। अत: कथन 2 सही है।
- इसे मैसूर के गंग शासकों के सेनापित और प्रधानमंत्री चामुंडाराय द्वारा स्थापित किया गया था।

जैन वास्तुकला

- जैन विशाल मंदिरों के निर्माता थे और उनके पवित्र मंदिर व तीर्थस्थान भारत की पहाड़ियों को छोड़कर समस्त भारत में पाए जाते हैं।
- सबसे पुराने जैन तीर्थ स्थल बिहार में खोजे गए हैं।



- इनमें से कई स्थल प्रारंभिक बौद्ध मंदिरों के लिये प्रसिद्ध हैं।
- दक्कन में एलोरा और ऐहोल में कुछ सबसे महत्त्वपूर्ण जैन स्थल देखे जा सकते हैं।
- मध्य भारत में देवगढ़, खजुराहो, चंदेरी तथा ग्वालियर में जैन मंदिरों के कुछ उत्कृष्ट उदाहरण मौजूद हैं।
- 91. अंबुबाची उत्सव के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
  - यह कर्नाटक के अमृतेश्वर मंदिर में मनाया जाने वाला एक वार्षिकोत्सव है।
  - 2. यह हिंदू धर्म के शैव संप्रदाय से संबंधित है।
- 3. इसमें जानवरों की बिल दी जाती है। नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:
- a. केवल 1
- b. केवल 1 और 2
- c. केवल 3
- d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c) व्याख्या:

- अंबुबाची मेला असम के कामाख्या मंदिर में मनाया जाने वाला एक वार्षिकोत्सव है। अत: कथन 1 सही नहीं है।
  - यह उत्सव चार दिनों तक चलता है और इसे जून माह में मनाया जाता है (सामान्यत: 22 या 23 जून से शुरू होता है)।
- हिंदू धर्म में तीन मुख्य उपासना पद्धतियाँ प्रचलित हैं- शक्ति (शाक्त), शैव और वैष्णव।
  - शक्ति उपासना पद्धित का अनुसरण करने वाले देवी-मंदिरों में पशु बिल की परंपरा रही है और देवी को मांसाहारी खाद्य पदार्थों के साथ-साथ कुछ मामलों में मदिरा का भोग लगाया जाता है।
  - दूसरी ओर, शैव और वैष्णव पंथ का अनुसरण करने वाले मंदिरों में पशु बिल को हतोत्साहित किया जाता है।
- अंबुबाची उत्सव शक्ति उपासना से संबंधित है और इसमें पश् बिल शामिल है। अत:

### कथन 2 सही नहीं है, जबिक कथन 3 सही है।

92. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

**मार्शल कला रूप राज्य**1. परी-खंडा उत्तर प्रदेश
2. थांग-टा मणिपुर
3. थोडा बिहार
4. गटका पंजाब

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

- a. केंवल 1, 2 और 3
- b. केवल 1, 2 और 4
- c. केवल 2 और 4
- d. केवल 2, 3 और 4

उत्तर: (c) व्याख्या:

- राजपूतों द्वारा शुरू की गई परी-खंडा बिहार में प्रचलित से मार्शल कला का एक रूप है। इसमें तलवार और ढाल का प्रयोग किया जाता है। अभी भी बिहार के कई हिस्सों में प्रचलित इस कला के कई चरणों और तकनीकों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। अतः युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।
- थांग-टा मणिपुर का विशिष्ट मार्शल नृत्य है। थांग का अर्थ होता है तलवार और ता का अर्थ है भाला। यह नृत्य प्रदर्शन कौशल, रचनात्मकता और चपलता का एक अनूठा प्रदर्शन है जिसमें कलाकार एक छद्म युद्ध का प्रदर्शन करते हैं। अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।
- हिमाचल प्रदेश राज्य में उत्पन्न थोडा मार्शल कला खेल और संस्कृति का मिश्रण है। प्रतिवर्ष बैसाखी (13 और 14 अप्रैल) के दौरान इसका आयोजन किया जाता है। थोडा मार्शल कला के उद्गम को महाभारत में खोजा जा सकता है, जब कुल्लू और मनाली की घाटियों में हुए युद्ध में धनुष और तीर का उपयोग किया जाता था। अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।
- गटका (Gatka) एक शस्र आधारित मार्शल कला है जिसका पंजाब के सिखों द्वारा प्रदर्शन किया जाता है। इसमें छडी,



कृपाण, तलवार और कटार आदि हथियारों के कुशलतापूर्वक प्रयोग होता है। अतः युग्म 4 सही सुमेलित है।

- 93. निमोनिया के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये
  - 1. निमोनिया यकृत का एक तीव्र संक्रमण है।
  - चाइल्डहुड निमोनिया पर विश्व का पहला सम्मेलन जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड में आयोजित किया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d) व्याख्या:

- निमोनिया फेफड़ों का एक तीव्र श्वांस संबंधी संक्रमण है।
  - कारण: इसका कोई एक कारण नहीं है। यह हवा में मौजूद जीवाणुओं, विषाणुओं या कवक से हो सकता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- बाल्यावस्था में होने वाले निमोनिया (Childhood Pneumonia) पर विश्व के पहले सम्मेलन का आयोजन बार्सिलोना (स्पेन) में आयोजन किया गया था ताकि इसे वैश्विक स्वास्थ्य एजेंडे का हिस्सा बनाया जा सके। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- बाल्यावस्था में होने वाले निमोनिया पर ग्लोबल फोरम (Global Forum on Childhood Pneumonia) स्वास्थ्य और बच्चों से जुड़े 9 प्रमुख संगठनों की एक पहल है, जिसमें अन्य संगठनों के अलावा यूनिसेफ (UNICEF), बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (Bill & Melinda Gates Foundation) आदि भी शामिल हैं।
- भारत में वार्षिक रूप से पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की कुल मौतों में से 14% मौतों का कारण निमोनिया है।

- 94. भारत में प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये
  - 1. संस्कृति मंत्रालय 'प्रतिष्ठित पर्यटक स्थल पहल' के कार्यान्वयन हेतु नोडल एजेंसी है।
  - 2. हाल ही में हड़प्पा सभ्यता स्थलों राखीगढ़ी और धौलावीरा को प्रतिष्ठित स्थलों के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1
- b. केवल 2
- c. 1 और 2 दोनों
- d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b) व्याख्या:

- प्रतिष्ठित पर्यटक स्थल (Iconic Tourist Sites) पहल के कार्यान्वयन के लिये पर्यटन मंत्रालय, न कि संस्कृति मंत्रालय, नोडल एजेंसी है। अतः कथन 1 सही नहीं है।
- केंद्रीय बजट (2020-21) में हरियाणा के हिसार में अवस्थित राखीगढ़ी को एक प्रतिष्ठित स्थल के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया है।
- इसके अलावा चार अन्य पुरातात्विक स्थलों-हस्तिनापुर (उत्तर प्रदेश), शिवसागर (असम), धौलावीरा (गुजरात) और आदिचनल्लूर (तमिलनाडु) को भी प्रतिष्ठित स्थलों के रूप में विकसित किया जाएगा।
   अतः कथन 2 सही है।
- राखीगढ़ी भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे बडा हडप्पा स्थल है।

95. 'संतोष पोर्टल' किससे संबंधित है?

- a. जल शुद्धीकरण से
- b. अंत्योदय योजना के तहत खाद्य आपूर्ति से
- c. श्रम कानूनों के क्रियान्वयन से
- d. पहाड़ी क्षेत्रों में शिक्षा की सुविधा से

उत्तर: (c) व्याख्या:

> श्रम एवं रोज़गार मंत्रालय (Ministry of Labour and Employment) ने ज़मीनी स्तर पर श्रम कानूनों के क्रियान्वयन की निगरानी के लिये 'संतोष पोर्टल' (Santusht



# Portal) शुरू किया है। अतः विकल्प (c) सही है।

- इस पोर्टल का उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही, सार्वजनिक सेवाओं का प्रभावी वितरण तथा नीतियों का क्रियान्वयन, निरंतर निगरानी के माध्यम से ज़मीनी स्तर पर श्रम और रोज़गार मंत्रालय की योजनाओं को बढावा देना है।
- 96. पटोला साड़ी निम्नलिखित में से किस राज्य से संबंधित है?
- a. ओडिशा
- b. हरियाणा
- c. पंजाब
- d. गुजरात

उत्तर: (d) व्याख्या:

- पटोला एक दोहरा इकत बुनी हुई साड़ी होती है अर्थात् इसमें साड़ी के दोनों तरफ काम किया हुआ होता है, जो आमतौर पर रेशम से बनाई जाती है, जिसे गुजरात के पाटन में बनाया जाता है। इसे वर्ष 2013 में भौगोलिक संकेत (GI Tag) प्राप्त हुआ।
   अतः विकल्प (d) सही है।
- हाल ही में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (Khadi and Village Industries Commission-KVIC) ने गुजरात के सुरेंद्रनगर में प्रथम सिल्क प्रोसेसिंग प्लांट का उद्घाटन किया।
- इस प्लांट से रेशम के धागों की उत्पादन लागत में कमी लाने के साथ-साथ गुजराती पटोला साड़ियों के लिये स्थानीय स्तर पर कच्चे माल की उपलब्धता एवं बिक्री बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

## 97. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- 1. भारतीय रिज़र्व बैंक, भारत सरकार की प्रतिभूतियों का प्रबंधन और प्रयोजन करता है किंतु किसी राज्य सरकार के प्रतिभूतियों का नहीं।
- 2. भारत सरकार कोष पत्र (ट्रेज़री बिल) जारी करती है और राज्य सरकारें कोई कोष पत्र जारी नहीं करतीं।

3. कोष पत्र ऑफर अपने सममूल्य से बट्टे पर जारी किये जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- a. केवल 1 और 2
- b. केवल 3
- c. केवल 2 और 3
- d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c) व्याख्या:

- सरकार के बैंकर के रूप में रिज़र्व बैंक विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से धन प्राप्त करता है और भुगतान करता है।
- रिज़र्व बैंक केंद्र और राज्य सरकारों की तरलता आवश्यकताओं को सुविधाजनक बनाते हुए सरकारी प्रतिभूतियों और ऋण पत्रों का प्रबंधन भी करता है। इसके अलावा एक पोर्टफोलियो प्रबंधक की तरह यह सरकारों के अधिशेष नकद शेष के निवेश की भी व्यवस्था करता है। मौद्रिक नीति और बैंकिंग संबंधी मामलों में रिज़र्व बैंक सरकार के सलाहकार के रूप में भी कार्य करता है। अतः कथन 1 सही नहीं है। कोष पत्र (ट्रेज़री बिल) अल्पकालिक तरलता आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये सरकार के ऋण साधन हैं। ट्रेज़री बिल एक प्रकार के ज़ीरो कूपन प्रतिभूतियाँ हैं और इन पर ब्याज का भुगतान नहीं किया जाता। बल्कि, उन्हें बट्टे पर अर्थात् अंकित मूल्य से कम मूल्य पर जारी किया जाता है और परिपक्वता पर अंकित मूल्य का भुगतान किया जाता है। ट्रेज़री बिल केवल भारत में केंद्र सरकार द्वारा जारी किये जाते हैं। राज्य सरकारें ट्रेज़री बिल जारी नहीं करती हैं। अतः कथन 2 और 3 सही हैं।
- 98. कभी-कभी समाचारों में आने वाले पद 'व्यापारी छूट दर' (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) को निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सबसे सही स्पष्ट करता है?
- a. यह किसी बैंक द्वारा किसी व्यापारी को उस बैंक के डेबिट कार्ड के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने के लिये दिया जाने वाला प्रोत्साहन है।



- यह बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों को वस्तुओं और सेवाओं के क्रय हेतु वित्तीय लेन-देनों के लिये डेबिट कार्ड का प्रयोग करने पर वापस दी जाने वाली राशि है।
- यह बैंक द्वारा किसी व्यापारी पर अपने ग्राहकों के डेबिट कार्ड से भुगतान लेने पर लगाया जाने वाला शुल्क है।
- सरकार द्वारा व्यापारियों को अपने ग्राहकों से 'प्वाइंट ऑफ सेल; (Point of Sale- PoS) मशीनों और डेबिट कार्ड के माध्यम से डिजिटल भूगतान को बढावा देने के लिये दिया जाने वाला प्रोत्साहन है।

#### उत्तर: (c) व्याख्या:

- व्यापारी छूट दर (Merchant Discount Rate- MDR) एक बैंक द्वारा किसी व्यापारी पर अपने ग्राहकों से उनके क्रेडिट और डेबिट कार्ड के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने पर लिया जाने वाला शुल्क है।
- MDR कार्ड जारी करने वाले बैंक, स्वाइपिंग मशीन (Swiping Machine) (प्वाइंट-ऑफ-सेल या PoS टर्मिनल) और नेटवर्क प्रदाता जैसे मास्टरकार्ड या वीजा द्वारा दी गई सेवाओं की क्षतिपूर्ति करता है।
- MDR शुल्क आमतौर पर उनके बीच पूर्व निर्धारित अनुपात में साझा किये जाते हैं।
- भारत में RBI अधिकतम MDR शुल्क निर्दिष्ट करता है जो प्रत्येक कार्ड लेन-देन पर लगाया जा सकता है।
- एक कम MDR भारत में कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था को लोकप्रिय बनाने के लिये महत्त्वपूर्ण है। अतः विकल्प (c) सही है।
- 99. भारत में लघु वित्त बैंकों (SFB) को स्थापित करने का/के क्या प्रयोजन है/हैं?
  - 1. लघु व्यवसाय इकाइयों को ऋण की पूर्ति
  - 2. लघु और सीमांत कृषकों को ऋण की पूर्ति करना।
  - 3. युवा उद्यमियों को विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापार स्थापित करने के लिये प्रोत्साहित

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

केवल 1 और 2 a.

- केवल 2 और 3 b.
- केवल 1 और 3 C.
- 1. 2 और 3 d.

#### उत्तर: (a) व्याख्या:

- अगस्त 1996 के केंद्रीय बजट में लघु बैंकों के गठन की घोषणा की गई थी, जिसके बाद RBI ने वर्ष 1996 में स्थानीय क्षेत्र बैंकों (Local Area Banks- LAB) की स्थापना के लिये अधिसूचना जारी की।
- भारत में लघु वित्त बैंकों को स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य/प्रयोजन है:
  - लघु बचत साधनों की स्थापना के माध्यम से अल्पसेवित आबादी तक वित्तीय समावेशन बढ़ाना।
  - लघु व्यवसाय इकाइयों को ऋण की पूर्ति करना।
  - लघु और सीमांत कृषकों को ऋण की पूर्ति करना। अतः कथन 1 और 2 सही हैं।
- युवा उद्यमियों को विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापार स्थापित करने के लिये प्रोत्साहित करना इसका मुख्य उद्देश्य नहीं था।

100. सूची-। को सूची-॥ से सुमेलित कीजिये:

#### सूची। (प्रसिद्ध मंदिर) सूची ॥ (राज्य) विद्याशंकर मंदिर 1. आंध्र प्रदेश A. राजरानी मंदिर 2. कर्नाटक B. कंदरिया महादेव मंदिर 3. मध्य प्रदेश C. भीमेश्वर मंदिर 4. उडीसा नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

С D (a) 2 3 1 4 (b) 2 4 1 3 (c) 1 3 2 4 2 (d) 1 3

उत्तर: (a)

## व्याख्या:

विद्याशंकर मंदिर (Vidyashankara Temple): यह मंदिर कर्नाटक के चिकमंगलूर ज़िले के पवित्र शहर शुंगेरी में स्थित है। यह तुंगभद्रा (Tungabhadra) नदी के बाएं किनारे पर है। मंदिर एक रथ जैसा दिखाई पड़ता है। श्रृंगेरी आदि



शंकराचार्य द्वारा स्थापित मूल अद्वैत मठों में से एक है। इस मठ के दो प्रसिद्ध पुजारी विद्याशंकर या विद्यातीर्थ तथा उनके शिष्य विद्यारण्य थे।

- राजरानी मंदिर (Rajarani Temple): यह मंदिर ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में हुआ था। यह मंदिर अपनी कलाकृतियों के लिये प्रसिद्ध है। इस मंदिर के निर्माण के लिये प्रयुक्त किये गए लाल और पीले बलुआ पत्थर, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'राजरानी' कहा जाता है, के नाम पर इसे राजरानी मंदिर कहा गया। यह गर्भगृह के ऊपर हलकी वक्रता के साथ धरातल से उठता हुआ मधुमक्खी के आकार का एक दुर्ग है। यह शैली मोटे तौर पर नागर शैली के अंतर्गत आती है।
- कंदिरया महादेव मंदिर: इस मंदिर का निर्माण चंदेलों द्वारा मध्य प्रदेश के खजुराहो में किया गया था, जिन्होंने 950 से 1100 ईस्वी तक शासन किया था। उन्होंने मध्य भारत में कंदिरया महादेव मंदिर की तरह कई विशाल मंदिरों का निर्माण किया। इस मंदिर के शिखर मंडप की छत और पिरामिडनुमा बरामदे की कलाकृति अतुलनीय है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।
  - भीमेश्वर मंदिर (Bhimesvara Temple):
    यह मंदिर आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी
    ज़िले के द्रक्षरामम में स्थित है। द्रक्षरामम
    (Daksharamam) को 'दिक्षण कासी'
    (Dakshin Kasi) के रूप में संदर्भित किया
    जाता है। मंदिर के शिलालेखों से पता चलता
    है कि यह 9वीं और 10वीं शताब्दी के मध्य
    पूर्वी चालुक्य राजा भीम द्वारा बनाया गया
    था। वास्तुकला और मूर्तिकला में यह
    चालुक्य और चोल शैलियों के मिश्रण को
    दर्शाता है। यह मंदिर भगवान शिव को
    समर्पित है। अतः विकल्प (a) सही है।

Vision